संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 209
पृष्ठ 8
रविवार
19 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- भारी केमिकल डालकर पका...

विचार- बहुत तेजी से बढ़ रही हैं कीमतें...

खेल- मंधाना ने तोड़ा हिटमैन का रिकॉर्ड...

योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल में दहाड़े

बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने पास नहीं होने दिया नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक- योगी

● माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में की जनसभा, भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट।

● योगी बोले, 'ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है'।

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में गरजे। माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करते हुए नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्षी दलों के रुख की भर्त्सना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने संशोधन विधेयक पास नहीं होने दिया। यह देश कीआधी आबादी का अपमान है, माता–बहनें इसे किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगी। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए तृणमूल कांग्रेस टीएमसी को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। अब बंगालवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहन–बेटियों के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण 2029 में लागू करने का संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा व वामपंथियों ने इसे पास नहीं होने दिया। ये लोग आधी आबादी को उसका हक नहीं देना चाहते, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी करते हैं। बंगाल में मुसलमानों का नाम मतदाता सूची में चढ़े और वे गरीबों के हक पर डकैती डाल सकें, तृणमूल सरकार का यही काम है। आखिर यह कब तक चलेगा। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को गिराने से आधी आबादी का अपमान हुआ है। देश की बहन–बेटियां इसे कतई स्वीकार नहीं करसकती हैं। तृणमूल कांग्रेस मां, माटी व मानुष की बात करती थी। देश–दुनिया ने संसद में मां के साथ उनके व्यवहार को देखा। बंगाल में माटी की स्थिति यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा यहां के राजवंशियों व नागरिकों का हक छीना जा रहा है। मानुष टीएमसी की गुंडागर्दी से भयभीत है। उपज का दाम नहीं मिलने से किसान पलायन करने को विवश है। यूपी में आलू का दाम 15 से 20 रुपए है और यहां एक से डेढ़ रुपए। टीएमसी के 15 वर्ष के कार्यकाल में 7000 से अधिक बड़े कारखाने बंद हुए। यूपी में हमने तीन करोड़ नौजवानों को रोजगार दिया, लेकिन बंगाल में 30 लाख नौजवान बेरोजगार हुए। धान व मछली उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है। केंद्र सरकार विकास के लिए जो पैसा देती है, वह जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। यह पैसा तृणमूल के गुंडे व बांग्लादेशी घुसपैठिए खा जाते हैं। सैंड माफिया, बागान माफिया सभी आपके हक पर डकैती डाल रहे हैं।टीएमसी प्रमुख पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी को हिंदुओं व जय श्रीराम के उद्घोष से चिढ़ है। जिस तरह उन्होंने संसद में आधी आबादी को मिलने वाले हक का विरोध किया। ऐसे ही उन्होंने सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल के दौरान भी किया था। इस एक्ट में मोदी ने बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में प्रताड़ित होकर भारत आने वाले हिंदू, जैन, सिख आदि को भारत की नागरिकता देने व जमीन का अधिकार देने का प्रावधान किया है। अभी पिछले सप्ताह ही उत्तर प्रदेश के अंदर 1056 ऐसे परिवारों को भूमि अधिकार दिया गया है, नागरिकता दी गई है, जिन्हें पूर्वी बंगाल से निकाला गया था। कांग्रेस, कम्युनिस्ट दलों व टीएमसी ने सीएए का विरोध किया, लेकिन हमारी सरकार दुनिया के किसी भी कोने में हिंदुओं के साथ मजबूती के साथ खड़ी रहेगी। उनकी सुरक्षा करेगी।मुख्यमंत्री ने टीएमसी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उसे मुस्लिम तुष्टिकरण से फुर्सत ही नहीं है। वह मुसलमानों के अलावा किसी के बारे में नहीं सोचती। बंगाल में आज 'जय श्रीराम' का नारा नहीं लगा सकते, क्योंकि सरकार आप पर अत्याचार करेगी, टीएमसी के गुंडे हमला बोल देते हैं।

बांग्ला में संवाद कर दिलों में उतरे योगी

लखनऊ, संवाददाता। जनसभाओं में मतदाताओं से बांग्ला में संवाद कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों का दिल जीत लिया। सीएम के इस अंदाज पर लोगों ने दोनों हाथ उठाकर उनकी बातों का बांग्ला में ही जवाब भी दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि आप लोग दोनों हाथ उठाकर भाजपा प्रत्याशियों को आशीर्वाद दीजिए। तब सीएम में बांग्ला में कहा– आमार सोनार बांग्ला, जनता ने जवाब दिया– टीएमसी मुक्तो बांग्ला। सीएम व जनता के बीच सवाल–जवाब का सिलसिला शुरू हो गया। सीएम ने कहा– ऑन्धकार, जनता बोली– हटबे, मुख्यमंत्री ने कहा– सूरोज, जनता बोली– उगेबे, सीएम बोले– कोमोल, जनता ने कहा– खिलबे। मुख्यमंत्री ने यह कहकर अपनी बात संपन्न की– पलटानो दोरकार, इसका भी जनता ने उत्तर दिया– चाई बीजेपी सोरकार। उपस्थित जनसमूह ने कई बार अपने दोनों हाथ उठाकर इसे दोहराया। सीएम योगी के इस संवाद ने जनसभा में उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया।

विपक्ष को भुगतना पड़ेगा, गांव-गांव तक ले जाएंगे, महिला आरक्षण पर कैबिनेट बैठक में बोले पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में 131वां संविधान संशोधन बिल पास नहीं हो पाया। इसे पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी लेकिन विपक्ष ने एकजुट होकर इसके खिलाफ वोट डाला। इस कारण बिल अटक गया और 2029 से ही महिलाओं को आरक्षण देने वाला बिल अटक गया। अब शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट मीटिंग में इसे लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने कहा कि

विपक्ष को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करके विपक्ष ने गलती की है। अब उनको भुगतना पड़ेगा। पीएम मोदी ने इस बात को गांव–गांव तक पहुंचाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने देश की महिलाओं को हराया है। विपक्ष को महिलाओं को जवाब देना पड़ेगा। इसको जन–जन तक गांव–गांव तक ले जाना है। बिल पास न हो पाने पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम सभी इस बात से दुखी हैं कि कांग्रेस और विपक्ष ने दो तिहाई बहुमत से संविधान में संशोधन की अनुमति नहीं दी। यह हमारी सरकार या पार्टी के लिए नुकसानदायक नहीं है। हम दुखी हैं कि इससे नुकसान देश की महिलाओं का हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सभी दुखी हैं कि महिला आरक्षण बिल में संशोधन नहीं हो सका और बिल गिर गया। यह सरकार की नाकामी नहीं है, बल्कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों का देश पर किया गया एक बड़ा हमला है। यह कांग्रेस के माथे पर एक काला धब्बा है। यह शर्मनाक है कि वे इसका जश्न मना रहे हैं। 2029 से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण देने के मकसद से सरकार तीन बिल लेकर आई थी।

कश्मीर घाटी में 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके, अफगानिस्तान का बदाखशान था केंद्र

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर घाटी में शनिवार को रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। घरों में पंखे सहित अन्य वस्तुएं हिलती हुई देख लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि अभी तक भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 8.24 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र

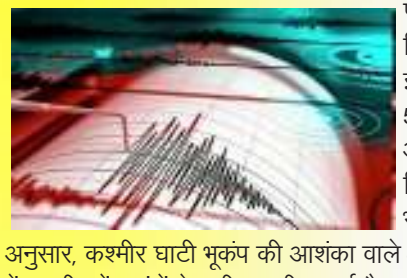

पृथ्वी के 190 किलोमीटर अंदर था। इसके निर्देशांक 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.92 डिग्री पूर्वी देशांतर हैं। भूकंप विज्ञान के अनुसार, कश्मीर घाटी भूकंप की आशंका वाले क्षेत्र में स्थित है। पूर्व में कश्मीर में भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। 8 अक्टूबर, 2005 को जम्मू–कश्मीर में रिक्टर पैमाने पर 7.6 तीव्रता का एक भूकंप आया था, जिसमें 80,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस भूकंप का केंद्र पाकिस्तान–अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद शहर में था। इस भूकंप के झटकों से वह शहर पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गया था। घाटी के बारामूला जिले में स्थित सीमावर्ती शहर उरी को भी 2005 के भूकंप में भारी नुकसान पहुंचा था। कश्मीर का इतिहास विनाशकारी भूकंपों से भरा रहा है, क्योंकि यह एक उच्च–भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। इसके इतिहास में 1555 और 1885 के विनाशकारी भूकंप जैसी प्रमुख घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी और हजारों लोगों की जान ले ली थी।

महिला आरक्षण बिल पर सियासत तेज, ममता बोलीं-देश को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को संसद के निचले सदन में पारित करने में विफल रहने के बाद भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हावड़ा के उलुबेरिया में एक

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा पराजित हो चुकी है और केवल अपने सहयोगियों के समर्थन से ही सत्ता में बनी हुई है। उन्होंने कहा, भाजपा का पतन शुरू हो गया है। हमने भाजपा को हरा दिया है। उनके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। वे दूसरों के समर्थन से सत्ता में बने हुए हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया था।

एआई विकल्प नहीं सहयोगी है, इससे डरे नहीं

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेताया, कहा- सचेत होकर करें इस्तेमाल

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय न्यायपालिका में तकनीक का प्रवेश एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन यह बदलाव मानवीय संवेदनाओं और संवैधानिक नैतिकता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। शनिवार को बंगलूरू में आयोजित न्यायिक अधिकारियों के 22वें द्विवार्षिक राज्य–स्तरीय सम्मेलन में देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और न्याय प्रणाली के अंतर्संबंधों पर बड़ी बेबाकी से अपनी राय रखी।

श्एआई के युग में न्यायपालिका की पुनर्कल्पनाश विषय पर बोलते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को एआई से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, श्जब आपके सामने

जटिल कानूनी सवाल आते हैं, तो आप अधिक धैर्य और गहराई से विचार करते हैं। एआई के साथ भी हमें यही रुख अपनाना होगा। इसे सावधानी और सचेत होकर इस्तेमाल करें, जिससे आपके भीतर बैठा श्जजश किसी तकनीकी उपकरण से प्रभावित न हो।श

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एआई केवल एक सहायक हो सकता है, विकल्प नहीं। न्याय की प्रक्रिया केवल डाटा का विश्लेषण नहीं है, बल्कि यह एक चिंतनशील और नैतिक कार्य है जो संवैधानिक मूल्यों से निर्देशित होता है।

मुख्य न्यायाधीश ने एआई के बढ़ते खतरों, विशेषकर हैलुसिनेशन यानी भ्रम पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि एआई का दुरुपयोग भ्रामक याचिकाओं और सतही तौर पर आकर्षक लेकिन कानूनी रूप से खोखले दावों को पेश करने के लिए किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश का कहना है कि इससे पहले से ही बोझ तले दबी न्याय व्यवस्था पर दबाव और बढ़ेगा।

इतना ही नहीं, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने देश के विकास मॉडल को लेकर एक बड़ा विजन साझा किया। उन्होंने कहा कि केवल वही विकास तर्कसंगत है जो पर्यावरण के प्रति जवाबदेह हो। सीजेआई ने कहा कि भारत की 2047 की विकास यात्रा श्ऊर्जा न्यायश के सिद्धांतों पर टिकी होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने इस धारणा को सिरे से खारिज कर दिया कि हमें विकास और पर्यावरण में से किसी एक को चुनना होगा। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम अभी विकास के सफर पर हैं, इसलिए हम पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक प्रगति को एक–दूसरे का विरोधी नहीं मान सकते।

सीजेआई ने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों ही श्जीवन के अधिकारश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि अदालतें सिर्फ श्प्रदूषण करो और भुगतान करोश के सिद्धांत तक सीमित नहीं हैं। अब सवाल यह पूछा जाता है कि क्या आपने प्रदूषण को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए? उन्होंने कहा कि अदालतें वायु प्रदूषण और नदियों की सफाई जैसे मुद्दों पर लगातार निगरानी रखती हैं।

सरकार का बड़ा फैसला, उप मुख्यमंत्रियों को मिलेगी जेड कैटेगरी की सुरक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने उप मुख्यमंत्रियों विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दोनों उप मुख्यमंत्रियों को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा चौधरी और यादव की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। श्जेडश श्रेणी की सुरक्षा में प्रशिक्षित कर्मियों की एक समर्पित टीम शामिल होती है, जो उन्नत हथियारों से लैस होती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा के सदस्य हैं। उन्हें हाल में राज्य सरकार द्वारा श्जेड–प्लसश श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है।

अप्रैल माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता महिला काव्यगोष्ठी प्रयागराज इकाई की सदस्या साधना खरे जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान अप्रैल 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी प्रयागराज इकाई से आदरणीया साधना खरे जी को दिया जाएगा। रचनाकार साधना खरे जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना

जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

महिलाओं का मसीहा बनने के लिए काम करना होता, प्रियंका गांधी का भाजपा पर पलटवार, कहा, संघीय ढांचे को बदलने की साजिश था

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि यह विधेयक संघीय ढांचे को बदलने का षड्यंत्र था और इसका गिरना संविधान एवं विपक्षी एकजुटता की जीत है। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा की वर्तमान 543 सीट के आधार पर तत्काल लागू कर सकती है और यदि वह ऐसा करती है तो विपक्ष इसका समर्थन करेगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कल जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ी जीत है, संघीय ढांचे को बदलने की साजिश को हराया गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकता और संविधान की जीत हुई है। प्रियंका गांधी ने कहा, पूरी साजिश यही रची गई कि किसी न किस तरह स्थायी रूप से सत्ता में रहना

है। यह काम महिलाओं के नाम पर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं का मसीहा बनने की कोशिश की गई, लेकिन ऐसे नहीं होता और महिलाओं का मसीहा बनने के लिए काम करना होता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह संविधान संशोधन विधेयक महिला आरक्षण के लिए नहीं था, यह परिसीमन के लिए था और यह बिल्कुल साफ था कि विपक्ष इसे समर्थन नहीं देने वाला था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, सरकार के लोग कह रहे हैं कि कल काला दिन था। हां, उनके लिए काला दिन इसलिए है कि उन्हें पहली बार धक्का लगा है। उन्होंने कहा, अगर महिला आरक्षण लागू करना है तो 2023 के कानून को लागू कीजिए जिसमें पूरा विपक्ष साथ देगा।

कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों का समय बदला, सुबह 7.30 से दोपहर 12 बजे तक चलेंगी कक्षाएं

प्रयागराज। प्रयागराज में कक्षा एक से 8 तक के सभी स्कूलों का समय बदल गया है। 20 अप्रैल से सुबह 7रू30 से दोपहर 12 बजे तक कक्षाएं चलेंगी। इस संबंध में डीएम की ओर से आदेश जारी किया गया है। प्रयागराज में कक्षा एक से 8 तक के सभी स्कूलों का समय बदल गया है। 20 अप्रैल से सुबह 7रू30 से

दोपहर 12 बजे तक कक्षाएं चलेंगी। इस संबंध में डीएम की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर विद्यालयों का समय बदल दिया गया है। भीषण गर्मी और तापमान में वृद्ध होने के साथ लू से बचाव के लिए जिले के समस्त परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्डों के कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों का समय सुबह आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक किया गया है। इस संबंध में सभी विद्यालयों को अवगत करा दिया गया है कि इसमें तनिक भी लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिले में तापमान तेजी के साथ बढ़ रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। यही स्थिति शनिवार को भी रही।

मंडप छादन के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से दूल्हे की मौत, 21 अप्रैल को जानी थी बरात

प्रयागराज। शहर के अशोक नगर इलाके में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दूल्हे की मौत हो गई। हादसा मंडप छाजन के दौरान हुआ। छत पर से गुजरे हाईटेंशन तार से बांस छू जाने के बाद वह बुरी तरह से झुलस गया था। उसकी मौत से वर और वधु पक्ष के घरों में मातम छा गया। उसकी बरात 21 अप्रैल को जानी थी।

मंडप छादन (छाजन) के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से दूल्हे की मौत हो गई। बरात 21 अप्रैल को जानी थी। घटना के बाद वर और वधु पक्ष के खुशियों वाले घर में

मातम छा गया। घटना शहर के कैंट थाना क्षेत्र के अशोक नगर सदर बाजार की है। घटना शुक्रवार रात करीब आठ बजे विवाह के लिए मंडप तैयार करते समय हुआ। अविनाश रेलवे में सहायक इंजीनियर था। बरात एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पीपलगांव में जानी थी। करंट लगने के बाद परिजन उसे स्थानीय अस्पताल में ले गए। हालत नाजुक होते देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। परिवार के लोग उसे पीजीआई में ले गए जहां उसे नहीं बचाया जा सका।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

सदर बाजार निवासी अविनाश पाल रेलवे में सहायक इंजीनियर था। शादी से पहले घर में बज रही शहनाई अचानक मातम में बदल गई। शुक्रवार रात करीब आठ बजे मंडप छादन के दौरान दूल्हा हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों के अनुसार घर की छत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। आनन–फानन में अविनाश को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया गया। दूल्हे की मौत की खबर से वधू पक्ष में भी शोक की लहर दौड़ गई। परिजन रो–रोकर बेहाल हैं। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की बात कही जा रही है।

490 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई कर प्रयागराज जंक्शन बना एनसीआर का सिरमौर

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में कमाई के मामले में संगमनगरी का दबदबा कायम हो गया है। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के बढ़ते प्रभाव के बीच प्रयागराज जंक्शन ने कमाई के पुराने कीर्तिमान ध्वस्त कर जोन में पहला स्थान हासिल किया है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में कमाई के मामले में संगमनगरी का दबदबा कायम हो गया है। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के बढ़ते प्रभाव के बीच प्रयागराज जंक्शन ने कमाई के पुराने कीर्तिमान ध्वस्त कर जोन में पहला स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के आंकड़ों के अनुसार, प्रयागराज जंक्शन ने 490 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाकर कानपुर सेंट्रल को पीछे छोड़ते हुए एनसीआर में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

औद्योगिक नगरी कानपुर का सेंट्रल स्टेशन 484 करोड़ रुपये की कमाई के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया है। एनसीआर के शीर्ष 10 सर्वाधिक आय वाले स्टेशनों की सूची में प्रयागराज जिले के तीन स्टेशनों ने अपनी जगह पक्की की है। मंडल मुख्यालय होने के साथ कुंभ की तैयारी और यात्रियों की बढ़ती संख्या ने प्रयागराज जंक्शन की झोली भर दी है। इस सूची में मथुरा जंक्शन 434 करोड़ रुपये की आय के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं ताज नगरी का आगरा कैंट स्टेशन चौथे पायदान पर रह गया। हैरानी की बात है कि प्रयागराज का उपनगरीय स्टेशन प्रयागराज छिवकी अब बड़े जंक्शन को मात दे रहा है। इस सालाना कमाई अलीगढ़ जंक्शन से भी ज्यादा है।

बीते वित्तीय वर्ष में छिवकी स्टेशन ने रेलवे के खाते में 151 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कमाई के लिहाज से वह जोन में सातवें स्थान रहा। साथ ही 83.26 करोड़ रुपये के साथ अलीगढ़ आठवां स्थान हासिल किया। उत्तर मध्य रेलवे की कमाई में प्रयागराज मंडल का वर्चस्व है। जोन के टॉप–50 स्टेशनों की सूची में अकेले इस मंडल के 24 स्टेशन शामिल हैं। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी का मानना है कि बुनियादी ढांचे में सुधार, ट्रेनों का बेहतर आवागमन और यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार के चलते राजस्व में यह बढ़ोतरी देखने को मिली है।

तेज धूप से बढ़ी तपिश, इस सीजन का सबसे गर्म दिन, 44 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

प्रयागराज। सूरज की तल्खी से चार दिन में तापमान पहाड़ चढ़ गया है। तेज धूप से बढ़ी तपिश से 44 डिग्री तापमान के साथ शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। लू के थपेड़े और कड़क धूप दिन भर लोगों के लिए परेशानी का कारण बने रहे।

सूरज की तल्खी से चार दिन में तापमान पहाड़ चढ़ गया है। तेज धूप से बढ़ी तपिश से 44 डिग्री तापमान के साथ शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। लू के थपेड़े और कड़क धूप दिन भर लोगों के लिए परेशानी का कारण बने रहे। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी के मामले में संगमनगरी का दूसरा स्थान रहा। 45.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा पहले पायदान पर रहा। वहीं, प्रयागराज में न्यूनतम तापमान 24 घंटे में 22.8 डिग्री सेल्सियस से कुछ कम होकर 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवाओं की गति सामान्य रही। शुक्रवार को दिन चढ़ने के साथ ही सूर्यदेव के तल्ख तेवर देवर देखने को मिले। दोपहर से पहले ही तेज धूप लोगों के शरीर के खुले हिस्सों को झुलसाने लगी। गर्मी से बचाव के लिए गमछा आदि लेकर बाहर निकले लोग ठौर

खोजते रहे। तपिश से तवे की तरह तप रहीं सड़कें दोपहर के वक्त लगभग खाली रहीं।

दिन में एक से दो बजे के बीच स्कूलों की छुट्टी के बाद बस आदि से घर जा रहे बच्चों के चेहरे ताप से लाल दिखे। चौराहों पर लाल बत्ती देख रुके दोपहिया वाहन सवार कोना पकड़कर छांव में खड़े होने को बेताब रहे। पानी–शिकंजी और बेल का शरबत पीने वालों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा रही।

मौसम वैज्ञानिक इविवि के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक दिल्ली (एनसीआर), गुरुग्राम में आंधी–पानी के साथ बादलों की आवाजाही रही। स्थानीय स्तर पर दो दिन तक तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद एक कमजोर विक्षोभ बादलों की आवाजाही और बूंदाबांदी की वजह बन सकता है। तब तापमान कुछ कम होने की संभावना है।

गमछा, टोपी और स्टोल की बढ़ी मांग

तेज गर्मी से बचने के लिए शुक्रवार को गमछा, टोपी और स्टोल की मांग में अचानक तेजी आई। चौक, सिविल लाइंस, कटरा, कोठापार्चा के साथ राजकीय मुद्रणालय और एजी ऑफिस के साथ कलक्ट्रेट के आसपास फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों के यहां लोग टोपी–गमछा खरीदते दिखे। वहीं, युवतियां कटरा बाजार में स्टोल खरीदने के लिए मोलभाव करती रहीं। सिविल लाइंस में गमछा–टोपी आदि बेचने वाले हारुन ने बताया कि जुमे की सुबह से शाम तक ग्राहक आते रहे। खोवा मंडी की थोक दुकानों पर दुकानदार गमछे आदि खरीदने के लिए पहुंचते रहे।

हाईकोर्ट ने पांच विषयों की परीक्षा की रद्द, 28 विषयों के परिणाम जारी करने के निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को रद्द करने के सरकार और आयोग के फैसले को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को रद्द करने के सरकार और आयोग के फैसले को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पूरी परीक्षा को रद्द करना उचित नहीं है, क्योंकि पेपर लीक का प्रभाव केवल कुछ ही विषयों तक सीमित पाया गया है।

कोर्ट ने कुल 33 विषयों में से सिर्फ पांच विषयों की परीक्षा को दागी मानते हुए रद्द कर दिया और 28 विषयों के परिणाम जारी करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने हरविंदर सिंह व अन्य की विशेष अपील पर दिया है। याचियों ने उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से 16 और 17 अप्रैल 2025 को

आयोजित की गई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को पूरी तरह से रद्द किए जाने के निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में विशेष अपील दायर की थी।

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि आयोग ने स्वतंत्र रूप से विचार किए बिना केवल पुलिस प्रशासन के निर्देशों पर परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम, 2023 के तहत राज्य सरकार के पास आयोग को परीक्षा रद्द करने के लिए निर्देशित करने की शक्ति नहीं है। इसके साथ ही अन्य दलीलें भी दीं।

वहीं, आयोग की ओर से अपर महाधिवक्ता ने दलील दी कि पेपर लीक में आयोग का ही एक संविदा कर्मचारी मुख्य रूप से शामिल था, जिसने कई अभ्यर्थियों से फोन पर बातचीत की थी। परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित थी, इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि पेपर लीक का विस्तार कितना व्यापक था।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद आदेश दिया कि 18 अप्रैल 2026 को होने वाली पुनरू परीक्षा केवल उन पांच विषयों (उर्दू, हिंदी, भूगोल, समाजशास्त्र और प्राणी विज्ञान) के लिए मान्य मानी जाएगी, जिनमें गड़बड़ी मिली है। शेष 28 विषयों (जैसे अंग्रेजी, गणित, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र आदि) के लिए 16–17 अप्रैल 2025 को हुई मूल परीक्षा को ही वैध माना जाएगा। कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिया है कि वह इन 28 विषयों की ओएमआर शीट का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित करे और फिर सभी विषयों के सफल अभ्यर्थियों को एक साथ साक्षात्कार के लिए बुलाए।

मौखिक सुनवाई व गवाहों के परीक्षण के बिना बड़ा दंड देना कानूनन गलत, जेई को पदावनति करने का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सरकारी कर्मचारी को बिना उचित मौखिक सुनवाई और गवाहों के परीक्षण के बड़ा दंड देना कानूनन गलत है। कोर्ट ने पाया कि विभागीय जांच के दौरान उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। इसके साथ ही कोर्ट ने बांदा विकास प्राधिकरण में कार्यरत रहे जूनियर इंजीनियर सत्येंद्र सिंह के खिलाफ पारित पदावनति के दंड आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने दिया है। याचिकाकर्ता सत्येंद्र सिंह को कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने और अवैध निर्माणों को रोकने में विफल रहने के आरोप में नौ फरवरी 2024 के आदेश से पदावनति कर दिया गया था। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि जांच अधिकारी ने किसी भी गवाह का परीक्षण नहीं किया और न ही याची को अपनी बात रखने के लिए मौखिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया। हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट के सत्येंद्र सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) और रूप सिंह नेगी जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब किसी कर्मचारी को बड़ा दंड देने का प्रस्ताव हो तो केवल दस्तावेजों के आधार पर दोषसिद्ध करना पर्याप्त नहीं है। कहा कि विभागीय जांच एक अर्ध–न्यायिक प्रक्रिया है, जिसमें जांच अधिकारी को गवाहों के माध्यम से आरोपों को साबित करना अनिवार्य है। इस मामले में हालांकि मौखिक सुनवाई के लिए एक तिथि तय की गई थी, लेकिन उस दिन केवल लिखित जवाब लेकर औपचारिकता पूरी कर ली गई, जिसे अदालत ने अपर्याप्त माना। अदालत ने दंड आदेश को रद्द करते हुए मामले को उस चरण से दोबारा शुरू करने की अनुमति दी है, जहां से प्रक्रियात्मक त्रुटि हुई थी। चूंकि, याचिकाकर्ता इस दौरान सेवानिवृत्त हो चुका है, इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया है कि उसकी पेंशन और अन्य लाभों पर ताजा कार्यवाही के परिणाम के आधार पर निर्णय लिया जाए।

जन्म प्रमाणपत्र रद्द हुए बिना अमान्य नहीं, यह है पूरा मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत जारी जन्म प्रमाणपत्र तब तक वैध माना जाएगा, जब तक उसे रद्द न कर दिया जाए या उसमें जालसाजी सिद्ध न हो जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत जारी जन्म प्रमाणपत्र तब तक वैध माना जाएगा, जब तक उसे रद्द न कर दिया जाए या उसमें जालसाजी सिद्ध न हो जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने विमल सिंह की याचिका पर दिया।

बांदा निवासी विमल सिंह का आरोप है कि उनके बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में जन्म तिथि एक जुलाई 2013 दर्ज थी, जबकि बांदा के दुरेंदी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए निर्धारित आयु सीमा एक मई 2013 से 30 जुलाई 2015 के बीच थी। स्कूल प्रशासन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की रिपोर्ट के आधार पर जन्म तिथि पर संदेह जताते हुए प्रवेश देने से इन्कार कर दिया।

कोर्ट ने सीएमओ की रिपोर्ट को निर्णायक मानने से इन्कार करते हुए कहा कि हड्डियों के विकास (बोन एज) की जांच पूरी तरह सटीक नहीं होती है और इसमें लगभग दो साल तक का अंतर संभव है। कोर्ट ने कहा कि केवल मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जन्म प्रमाण पत्र को दरकिनार करना शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत बच्चे के शिक्षा के अधिकार का हनन है।

कोर्ट ने कहा कि आयु निर्धारण के लिए जरूरी दस्तावेजों में सक्षम बोर्ड की ओर से जारी हाईस्कूल का प्रमाणपत्र या उसके समकक्ष, बच्चे के पहले स्कूल में दर्ज जन्म तिथि का प्रमाणित रिकॉर्ड, नगर निगम, नगर पालिका या पंचायत की ओर से जारी जन्म प्रमाणपत्र जरूरी है। इन दस्तावेजों के न होने पर ही मेडिकल राय ली जा सकती है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी

इस तरह के मामलों में केवल मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर वैधानिक दस्तावेजों को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसे रोका जाना आवश्यक है। कोर्ट ने संबंधित स्कूल को निर्देश दिया कि याची के बच्चे को कक्षा छह में प्रवेश दिया जाए।

पिता के पास रह रहे बच्चों की कस्टडी को गैर–कानूनी नहीं माना जा सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पिता जो नाबालिग का प्राकृतिक अभिभावक होता है, उस पर केवल इस आधार पर गैर–कानूनी हिरासत का आरोप नहीं लगाया जा सकता कि उसने बच्चों को अपने पास रख लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पिता जो नाबालिग का प्राकृतिक अभिभावक होता है, उस पर केवल इस आधार पर गैर–कानूनी हिरासत का आरोप नहीं लगाया जा सकता कि उसने बच्चों को अपने पास रख लिया है। जब तक कि वह किसी न्यायालय के आदेश का उल्लंघन न कर रहा हो। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति अनिल कुमार–दशम की पीठ ने मां की बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिका को सुनवाई योग्य न मानते हुए खारिज कर दिया। गौतमबुद्ध नगर निवासी याची ने आरोप लगाया गया था कि पति ने 2022 में असलहे के दम पर दो नाबालिग बच्चों को छीन लिया था। पति की ओर से दलील दी गई कि बच्चे 2022 से उसके साथ रह रहे हैं और इसके खिलाफ कोई कानूनी आदेश भी नहीं है।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले तेजस्विनी गौड़ मामले का हवाला देते हुए कहा कि हैबियस कॉर्पस याचिका तभी स्वीकार होती है, जब कस्टडी पूरी तरह से गैर–कानूनी हो। साथ ही कहा कि अभिरक्षा विवाद के समाधान के लिए अभिभावक व प्रतिपाल्य अधिनियम के तहत उचित उपाय अपनाना चाहिए, न कि रिट याचिका का सहारा लेना चाहिए।

कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग करने पर पांच नामजद, लेखपाल की शिकायत पर एफआईआर

प्रयागराज। एफआईआर के मुताबिक, जिला प्रशासन ने अशरफ की करीब सात बिस्वा जमीन को कुर्क किया था। अधिकारियों को पता चला कि करीब तीन करोड़ की इस भूमि को प्लॉटिंग कर बेचा गया है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के देवघाट स्थित विधि विश्वविद्यालय के पास अतीक अहमद के भाई अशरफ की कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग करने के मामले में पुलिस ने क्षेत्रीय लेखपाल हरीश कुमार वर्मा की तहरीर पर मोहम्मद मुशर्रफ, अयास अहमद, नौशाद अहमद, आजाद अहमद और सुरेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के मुताबिक, जिला प्रशासन ने अशरफ की करीब सात बिस्वा जमीन को कुर्क किया था। अधिकारियों को पता चला कि करीब तीन करोड़ की इस भूमि को प्लॉटिंग कर बेचा गया है। मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई। रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ प्लॉटों पर अवैध निर्माण भी करा दिया गया है। इसके बाद राजस्व टीम ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर जमीन अपने कब्जे में ली। वर्ष 2024 में शाहा उर्फ पीपल गांव में अतीक व अशरफ की जमीन गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई थी। उसकी भी खरीद फरोख्त की बात सामने आई है। एयरपोर्ट थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

करछना रेल हादसा– मौत की पटरी पर सुरक्षा के दावों की खुली पोल

प्रयागराज। करछना स्थित पचदेवरा में हुए रेल हादसे ने रेलवे के सुरक्षा तंत्र पर सवालिया निशान लगा दिया है। पांच लोगों की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस सामूहिक लापरवाही का असली जिम्मेदार कौन है।

करछना स्थित पचदेवरा में हुए रेल हादसे ने रेलवे के सुरक्षा तंत्र पर सवालिया निशान लगा दिया है। पांच लोगों की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस सामूहिक लापरवाही का असली जिम्मेदार कौन है। हालांकि इस मामले में रेलवे के जेएजी अफसरों ने जांच तो शुरू कर दी है। लेकिन, जिनके घरों के चिराग बुझे हैं उसकी भरपाई अब शायद ही हो सके।

इस त्रासदी ने आरपीएफ, जीआरपी और ट्रेन के कॉमर्शियल स्टॉफ की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। जब ट्रेन 45 मिनट तक संवेदनशील इलाके में खड़ी थी, तब ड्यूटी पर तैनात जवानों ने यात्रियों को ट्रैक पर जाने से रोका नहीं। साथ ही कोच में तैनात वाणिज्य विभाग के स्टॉफ और अन्य कर्मचारियों ने यात्रियों को कोच के भीतर रहने की हिदायत भी नहीं दी।

फिलहाल रेलवे प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीनियर डीसीएम, सीनियर डीएससी, सीनियर डीओएम, सीनियर डीईई समेत पांच उच्चाधिकारियों की जांच समिति गठित की है। अधिकारियों का दावा है कि रिपोर्ट में लापरवाही पुष्ट होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या मामले में आसिफ की बहन का नाम भी एफआईआर में शामिल

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहा के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी की बहन समेत एक अन्य का नाम भी पुलिस ने एफआईआर में शामिल कर लिया है। करेली थाना क्षेत्र के गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहा के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी की बहन समेत एक अन्य का नाम भी पुलिस ने एफआईआर में शामिल कर लिया है। दोनों आरोपियों पर पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल होने का शक जताया है। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस को आसिफ व उसके भाई राशिद की लोकेशन मुंबई के अलावा अन्य कई शहरों में मिली है। इसी आधार पर पुलिस की दो टीमें मुंबई समेत अन्य शहरों के लिए रवाना हो गई हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही 25 हजार के इनामी भाइयों को पकड़ लिया जाएगा। बता दें कि आठ अप्रैल को करेली में दो बाइक पर सवार नकाबपोश बदमाशों ने इरफान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बेटे मोहम्मद आमिर की तहरीर पर पुलिस ने आसिफ दुर्रानी समेत अन्य पर एफआईआर दर्ज की थी।

पत्नी का अंतिम संस्कार करने आए बुजुर्ग को कार ने मारी टक्कर, मौत

प्रयागराज। दारागंज घाट पर पत्नी का अंतिम संस्कार करने आए बुजुर्ग श्री पाल (82) को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी, जिससे इनकी मौत हो गई। दारागंज पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दारागंज घाट पर पत्नी का अंतिम संस्कार करने आए बुजुर्ग श्री पाल (82) को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी, जिससे इनकी मौत हो गई। दारागंज पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बारा थाना क्षेत्र में श्री पाल परिवार समेत रहते थे। उनकी पत्नी की किसी कारणवश मौत हो गई थी। शुक्रवार को वह और उनके परिजन व रिश्तेदार दारागंज घाट पर उनकी पत्नी के अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने श्रीपाल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। परिजनों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया।

संक्षिप्त

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान लगी आग, प्रिंसिपल का कमरा जला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के गोमतीनगर इलाके में जीजीआईसी में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान आग लग गई। मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत परिसर खाली करा दिया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके से पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। गोमतीनगर के विनयखंड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शनिवार सुबह भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी बैठे थे। इसी दौरान एसी में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग लग गई। इस दौरान एक कमरे से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने परीक्षा केंद्र पर मौजूद अभ्यर्थियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना पर दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग बुझने के बाद सेंटर पर फिर से शुरू कराया गया। आग प्रिंसिपल ऑफिस में लगे एसी में शार्ट सर्किट से लगी थी। आग से प्रिंसिपल रूम जल गया। कोई भी जनहानि नहीं हुई है। कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा का पेपर चल रह था। इसका समय सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक निर्धारित था।

समाधान दिवस में भूमि विवाद की शिकायतें आई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसीलदार सुखबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस दिवस में भूमि विवाद, अवैध कब्जे और अवैध प्लाटिंग से संबंधित शिकायतों की भरमार रही। फरियादियों ने कई गांवों की सरकारी और पैतृक जमीनों पर कब्जे तथा अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को इन शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मिर्जापुर (बेंती) निवासी राम सुमेर ने गाटा संख्या 1132 को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि यह भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है, जिसमें सभी भाइयों का हिस्सा है, लेकिन राजस्व अभिलेखों में अभी तक इसका बंटवारा नहीं हुआ है। इसके बावजूद उनके चचेरे भाई गया प्रसाद और अन्य लोग जमीन पर जबरन निर्माण करा रहे हैं। राम सुमेर ने निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की। इसी तरह हरिहरपुर के भाजपा बूथ अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने सरकारी अभिलेखों में ऊसर, बंजर और तालाब के रूप में दर्ज जमीन पर अवैध प्लाटिंग कर उसे बेचे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। सिविल कोर्ट से जुड़े संदीप सिंह ने ग्राम सभा बिजनौर की गाटा संख्या 956 की भूमि पर कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहले भी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे खुलेआम बेचा जा रहा है। खटोला निवासी राजेश कुमार ने रतौली गांव की पशु मरघट भूमि (खसरा संख्या 144) पर प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की। उन्होंने इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। इन प्रमुख शिकायतों के अलावा, अन्य फरियादियों ने भी अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं।

1180 बोरी पीओपी धोखाधड़ी का खुलासा, गोसाईगंज पुलिस ने 72 घंटे में 3 आरोपियों को पकड़ा

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज पुलिस ने 1180 बोरी पीओपी (सकरनी ब्रांड) की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पूरी 1180 बोरी पीओपी, दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई मात्र 72 घंटे के भीतर की गई। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी तब हुई जब राजस्थान से बाराबंकी जा रहे एक ट्रक को रास्ते में फोन कॉल कर रोका गया। आरोपियों ने खुद को फर्जी फर्म मालिक बताया और ट्रक चालक को गोसाईगंज क्षेत्र में माल उतरवाने का झांसा दिया। इसके बाद, नकली मुंशी भेजने की बात कहकर चालक को विश्वास में लिया गया। कुछ ही देर बाद, तीन आरोपी डाला और ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक से पीओपी की बोरियां उतरवाईं और उन्हें ग्राम कबीरपुर स्थित एक किराए के कमरे में छिपा दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब बाराबंकी स्थित असली फर्म से संपर्क किया गया और पता चला कि माल वहां पहुंचा ही नहीं है। शक होने पर ट्रक चालक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह के नेतृत्व में दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंची। 17 अप्रैल को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के बेली अंडरपास के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए माल छिपाने की जानकारी दी। इसके बाद, पुलिस ने कबीरपुर स्थित कमरे से पूरी 1180 बोरी पीओपी बरामद कर ली। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तौफीक आलम (19), राजबाबू (20) और गुलाम गौस (21) के रूप में हुई है। ये सभी कुशीनगर के हरिहरपुर निवासी हैं।

स्मार्ट मीटर से बढ़ी परेशानी, महिलाएं, बोलीं, बिना बताए प्रीपेड को पोस्टपेड में बदल दिया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। फॉल्ट होने के कारण कई लोगों को घंटों तक बिजली कटौती से जूझना पड़ा है। इसी कड़ी में अहिबरनपुर में 11 केवी लाइन की गार्डिंग टूटने के कारण 1 घंटा तक लाइट प्रभावित रही। शिवनगर में भी करीब 1 घंटे तक लाइट गायब रही। इसी समस्या को लेकर मनकामेश्वर वार्ड की महिलाएं स्थानीय पार्षद रंजीत सिंह यादव के पास शिकायत लेकर पहुंचीं। महिलाओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। कई बार बिल माइनस में जाने के कारण अचानक बिजली काट दी जाती है। जिससे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं की शिकायत को पार्षद ने विधायक नीरज बोरा तक पहुंचाकर महिलाओं को कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण समस्या बढ़ गई है। बिना जानकारी दिए ही प्रीपेड को पोस्ट पेड मीटर में बदल दिया गया। जिससे गरीब लोग परेशान हो रहे हैं।

कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुरसशहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन एवम् अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सीमा वर्णिका रहीं।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 3रू00 बजे से 4रू30बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन हेमा पांडे ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सुषमा सेंगर, सुनीता गुप्ता,प्रीति श्रीवास्तव,पुष्पा सिंह,हेमा पांडे,रेखा श्रीवास्तव,सीमा वर्णिका एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें ।

धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के संरक्षण में तथा सर्वेश पटेल के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी की तीन दिवसीय भव्य सैंड आर्ट कार्यशाला संगमतट पर

प्रयागराज। राज्य ललित कला अकादमी के विख्यात चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा के संरक्षण तथा प्रयागराज के बेहतरीन युवा कलाकार सर्वेश पटेल के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित नारी शक्ति वंदन अधिनियम से प्रेरित तीन दिवसीय दिनांक 16, 17 व 18 अप्रैल तक नारी स्वावलंबन विषय पर संगम तट पर छः कलाकार सैंड आर्ट कार्यशाला में विशाल अनुपम कलाकृतियों की रचना कर रहें हैं। इस कार्यशाला में प्रयागराज के संयोजक कलाकार सर्वेश पटेल, मनु कुमार, आशुतोष मौर्या, शिवांगी पांडेय, तनुश्री पांडेय व श्रेया मिश्रा ने नारी शक्ति का बालू से अद्भुत मूर्ति चित्रण कर संगमतट पर हजारों दर्शकों का मन मोह लिया। राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र, निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री व अमृत अभिजात अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन का संयोजक सर्वेश पटेल एवं संरक्षक रवीन्द्र कुशवाहा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के इस नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम को निष्ठापूर्वक अंजाम देने के लिए राज्य ललित कला अकादमी उत्तर–प्रदेश शासन ने हमपर पूर्ण विश्वास जताया है। मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सचिन सैनी व विशिष्ट अतिथि मूर्तिकला के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सौमिक नंदी व कलाकार रंजन विश्वकर्मा ने नारी शक्ति पर बना रहे हैं अद्भुत एवं शानदार कलाकृतियों की जमकर तारीफ की और कहा कि सभी कलाकारों ने भावपूर्ण मूर्तियां बनाई हैं जिसे देखने के लिए दिन भर हजारों दर्शकों की भीड़ ने भव्य कलाकृतियों का रसास्वादन किया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 10 तीर्थयात्री सोमनाथ धाम के लिए रवाना

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व" के तहत जनपद के 10 तीर्थयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर सोमनाथ मंदिर के लिए रवाना किया। यह पर्व भारत की आस्था, संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक है, जो सोमनाथ मंदिर के हजार वर्षों के इतिहास को स्मरण करता है।

जनपद से रवाना हुए तीर्थयात्रियों में प्रगतिशील किसान हरिपाल सिंह, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कुंवरपाल, युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान सुमित्रा देवी, युवा उद्यमी मनीष कुमार अग्रवाल, एनआरएलएम उद्यमी सुंदरी कुमारी, भिही कला उद्यमी कलुआ, वीर शहीद की पत्नी विजय देवी, व्यापार संघ महामंत्री मृदुल अग्रवाल एवं ज्योतिषाचार्य विजय कुमार शर्मा शामिल हैं।

सभी यात्री 18 अप्रैल को लखनऊ के लिए रवाना हुए, जहां से 19 अप्रैल को विशेष ट्रेन द्वारा सोमनाथ के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा के दौरान सोमनाथ संकल्प संवाद, कॉम्प्लेक्स भ्रमण, लाइट एंड साउंड शो, म्यूजियम विजिट, भजन संध्या, रुद्राभिषेक, महाआरती और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। इतिहास में कई बार आक्रमण झेलने के बावजूद इसका पुनर्निर्माण भारतीय संस्कृति की अटूट आस्था और पुनरुत्थान का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व" के अंतर्गत 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरव को जन–जन तक पहुंचाना है।

राज गार्डन संचालक ने खोली फर्जी सिपाही की आपराधिक कुंडली

निजी रंजिश में रची गई कब्र की साजिश हुई नाकाम, अब साजिशकर्ता की साख दफन!

लखनऊ, संवाददाता। कहते हैं कि राजनीति में आने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप रातों–रात समाजसेवी से सिपाही बन जाते हैं। लखनऊ के राजाजीपुरम में भी इन दिनों एक ऐसी ही फर्जी सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा है, जहाँ एक स्वयंभू भाजपा सिपाही ने सरकारी तंत्र के कंधे पर बंदूक रखकर निशाना तो साधा, लेकिन गोली उन्हीं के पैर पर जा लगी। मामला राज गार्डन का है। संचालक आरिफुल हसन ने जब प्रेस वार्ता की, तो परतें प्याज की तरह नहीं, बल्कि किसी थ्रिलर फिल्म की तरह खुलीं। खुद को भाजपा का नुमाइंदा बताने वाले जीशान खान ने सोचा होगा कि एलडीए में एक शिकायत डाल दो कि गार्डन कब्रिस्तान पर बना है,

आरोपी गौरव शर्मा, फर्जी दरोगा

और बस. उगाही का रास्ता साफ! लेकिन बेचारे भूल गए कि झूठ के पैर नहीं होते, और सरकारी कागजों में मुर्दे नहीं बोला करते। आरिफुल हसन ने साफ कह दिया कि भाई साहब, जिस जमीन पर आप मुर्दे ढूंढ रहे हैं, वहाँ तो कानूनी तौर पर ईंटें लगी हैं। असल में ये सारा खेल मुर्दों की फिक्र का नहीं, बल्कि जिंदा नोटों की भूख और पुराने उधार से बचने की एक नाकाम कोशिश थी। हैरानी की बात तो यह है कि नियम–कायदों को ताक पर रखकर वक्फ बोर्ड ने इन्हें मुतवल्ली की पदवी से भी नवाज दिया। अब सवाल यह उठता है कि क्या मुतवल्ली बनाने की योग्यता अब गंभीर धाराओं वाले मुकदमे हो गई है? हसनगंज और बाजार खाला थानों के रिकॉर्ड तो नेताजी की कुंडली में चार चांद लगा रहे हैं, फिर भी नियम शायद कहीं कोने में दुबक कर रो रहे होंगे। मसाला तब और बढ़ गया जब पंकज गौतम नाम के शख्स ने कहानी में एंट्री मारी।

कुएँ का ठण्डा पानी

(छप्पय)

भोर सुनाती गीत शाम लोरी है गाती।
गाँवों की यह रीत सुख़न बन सबको भाती।
हँसती गाती धूप फसल की बनी सहेली।
पात–पात पर बैठ करें दिनभर अठखेली।
जन्म–मरण के बीच में है जो प्यारी ज़िन्दगी।
माटी के गुणगान में करती उसकी बन्दगी।।

ताल–तलैया पेड़ कुएँ का ठण्डा पानी।
रखते थे खुशहाल गाँव को, हुए कहानी।
माटी के ही बीच मिला था जिन्हें बसेरा।
हरियाली के साथ यही थे सुखद सवेरा।
शहरों का विस्तार है भ्रम की केवल बात है।
मौन, गाँव कहते यही कुछ पल की यह रात है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

परशुराम जयन्ती पर भयहरणनाथ धाम में बुद्धि शुद्धि यज्ञ आज 19 अप्रैल को

6वां सामाजिक सत्याग्रह आज

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में भगवान परशुराम जयन्ती के अवसर पर बुद्धि शुद्धि यज्ञ होगा. कारण स्पष्ट है कि गत 15 मार्च से धाम व धाम से जुड़ी सार्वजनिक व सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराके जनोपयोगी बनाने हेतु लगातार प्रत्येक रविवार को प्रबन्ध संस्था व क्षेत्रीय समाज द्वारा सामाजिक सत्याग्रह किया जा रहा है. उप जिलाधिकारी सदर के आदेश के बाद भी अभी तक राजस्व विभाग की टीम पैमाइस नही कर सकी है। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि कुछ लोग निहित स्वार्थ में धाम की भूमि पर वर्षो से कब्जा किये है. राजनीति से जुड़े दलाल , नशा व्यापारी भूमाफियाओं का साथ देते है. अपने निजी हितैषियों के साथ एक पुजारी भी वर्षो से मालिकाना हक हेतु प्रयासरत रहे है. भू माफियाओं व राजस्व विभाग की सद्बुद्धि हेतु सामाजिक सत्याग्रह के साथ सामूहिक बुद्धि शुद्धि यज्ञ का आयोजित होगा. अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने देव स्थान में सभी से निस्वार्थ भूमिका की अपील की है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/14 दिनांक : 17.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80261011	[illegible] डीज़ल लोकोमोटिव के लिए	50000 लिटर	05-मई 2026
2	20262647	कम्प्यूटर असेंबली कम्पलीट	79 नग	12.05.2026
3	40263016	[illegible] कॉपर कंडक्टर	17155 कि.ग्रा.	18.05.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 843/26 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 0620262027 दिनांक: 16.04.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 13.05.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.1. निविदा नं.: 12 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/अलीगढ़ के अधीन वार्षिक सिविल मेन्टीनेन्स जोन कार्य अलीगढ़ से खुर्जा 'छोड़कर' एवं हरदुआगंज ब्रांच लाइन तक समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 18204224.34 | बयाने की रकम: ₹ 364100.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.2. निविदा नं.: 13 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/अलीगढ़ के अधीन वार्षिक सिविल मेन्टीनेन्स जोन कार्य खुर्जा से छिपियाना बुजुर्ग तक समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 17229304.54 | बयाने की रकम: ₹ 344600.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.3. निविदा नं.: 14 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/टूण्डला के अधीन वार्षिक सिविल मेन्टीनेन्स जोन कार्य पोरा से अलीगढ़ 'छोड़कर' हाथरस-हाथरस किला ब्रांच लाइन सहित तक समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 13989977.92 | बयाने की रकम: ₹ 279800.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.4. निविदा नं.: 15 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/टूण्डला के अधीन वार्षिक सिविल मेन्टीनेन्स जोन कार्य टूण्डला 'छोड़कर से पोरा' छोड़कर एटा-बरहन ब्रांच लाइन सहित तक समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 14751928.93 | बयाने की रकम: ₹ 295000.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.5. निविदा नं.: 16 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/संपदा/टूण्डला के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/II/ टूण्डला के सेक्शन में सर्विस बिल्डिंग के साथ स्टेशन भवन, रनिंग रूम, ऑफिसर्स रेस्ट हाउस तथा अन्य सभी सर्विस बिल्डिंग (ब्रांच लाइन को छोड़कर) में 30.06.2027 तक की अवधि के लिए वार्षिक मरम्मत का जोन कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 18393420.60 | बयाने की रकम: ₹ 367900.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.6. निविदा नं.: 17 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/संपदा/टूण्डला के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/II/टूण्डला के सेक्शन में दक्षिण कालोनी में 30.06.2027 तक की अवधि के लिए वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का जोन कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 19115279.80 | बयाने की रकम: ₹ 382300.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

क्र.सं.7. निविदा नं.: 18 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/अलीगढ़ के अधीन अलीगढ़ से छिपियाना बुजुर्ग तक समयावधि 30.06.2027 तक बागवानी का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 7000000.00 | बयाने की रकम: ₹ 140000.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: बागवानी का कोई कार्य।

क्र.सं.8. निविदा नं.: 19 कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/अलीगढ़ के अधीन वार्षिक पी.वे. जोन समयावधि 30.06.2027 तक का कार्य।
अनुमानित मूल्य: ₹ 15000000.00 | बयाने की रकम: ₹ 300000.00
कार्य समापन की अवधि: 30.06.2027 | निविदा खुलने की तिथि: 13.05.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: पी.वे. का कोई कार्य।

नोट- 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 13.05.2026 समय 13.30 बजे तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेण्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 6. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 836/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक 'संगठित गिरोह' की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि दृ'ऐसी चीजें होती रहती हैं।' आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है।बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध ा के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है। हालांकि, कॉर्पोरेट जगत से जुड़े कार्यालयों में स्थायी परिवर्तन तभी संभव होगा जब कंपनियां ऐसे मामलों में 'शून्य सहिष्णुता' की घोषणा करेंगी। इसके साथ ही जरूरत इस बात की भी कि कार्यालयों में ऐसा निर्भयतापूर्ण वातावरण तैयार किया जाए कि कोई भी महिला कर्मचारी बिना डर के बोलने के लिये सशक्त बन सके। उन्हें सशक्त बनाने के लिये आंतरिक तंत्र को सक्रिय रूप से मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि कंपनियों का शीर्ष प्रबंधन गाहे–बगाहे यह पड़ताल करता रहे कि सर्वाधिकार प्राप्त कोई अधिकारी असीमित अधिकारों की आड़ में उत्पीड़न के अपवित्र खेल में शामिल तो नहीं है। एक पारदर्शी व सतर्क व्यवस्था भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगा सकती है।

बहुत तेजी से बढ़ रही हैं कीमतें और मुद्रास्फीति

नन्तू बनर्जी

रस की खाड़ी क्षेत्र में भू–राजनीतिक तनाव और कमजोर भारतीय रुपये के कारण देश में सभी वस्तुओं और परिवहन की लागत में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। रोजमर्रा की जरूरी चीजों की खुदरा कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खाने के तेल, दालों और पैकेटबंद खाने की चीजों, जिनमें पीने का पानी भी शामिल है, की कीमतें पिछले महीने से बढ़ गई हैं। कीमती धातुओं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। 8 अप्रैल, 2026 को कुछ बाजारों में सोने की कीमतें 10 ग्राम पर 153,000 रुपये से ऊपर पहुंच गईं, जिसकी मुख्य वजह सोने में श्सुरक्षित निवेशय की मांग थी। कोकिंग कोयले जैसे कच्चे माल की लागत में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका सीधा असर स्टील बनाने वालों पर पड़ा है, जिनमें से 95 प्रतिशत लोग आयात पर निर्भर हैं। खाने की चीजों की थोक महंगाई फरवरी से तेजी से बढ़ने लगी, जिसमें तिलहन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। भारत की थोक कीमतें अकेले फरवरी में 2.13 प्रतिशत बढ़ीं – जो एक साल में सबसे तेज बढ़ोतरी थी– और इसकी मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग और खाने की चीजों की ऊंची कीमतें थीं। विडंबना है कि देश का रिजर्व बैंक महंगाई के इस परेशान करने वाले रुझान को लेकर कम चिंतित लग रहा है, और उसका ज्यादा ध्यान महंगाई के बीच आर्थिक विकास को बनाए रखने पर है। पिछले हफ्ते, भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने लगातार दूसरी बार रेपोरेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैघ्सला किया, जो एक लंबे ठहराव का संकेत है। रिजर्व बैंक का दरों को स्थिर रखने का फैघ्सला, मजबूत घरेलू विकास और बढ़ती महंगाई के दबाव के बीच संतुलन बनाने की जरूरत से प्रेरित माना जा रहा है। ऐसा लगता है कि इस +फैसले पर सरकारी नीति का काफी असर पड़ा है। सरकार बढ़ती महंगाई, आयात की बढ़ती लागत, घटते निर्यात, घरेलू मुद्रा के गिरते मूल्य और पश्चिम एशिया से आने वाले पैसे (रेमिटेंस) में भारी गिरावट जैसी कई चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था के विकास को बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रही है। उम्मीद है कि रिजर्व बैंक 2026 में एक सतर्क, श्तटस्थय मौद्रिक नीति बनाए रखेगा, और महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखेगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भू–राजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जरूरी हुई ऊंची दरें, भारत की जीडीपी वृद्धि को वित्तीय वर्ष 2025–26 में 7.6 प्रतिशत से घटाकर 2026–27 में 6.9 प्रतिशत या उससे भी कम कर सकती हैं। हालांकि रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2026 में दरें स्थिर रखीं, लेकिन लगातार बनी हुई ऊंची महंगाईकृजो आपूर्ति की समस्याओं और 4.2 प्रतिशत से बढ़कर 4.6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति के अनुमान के कारण हैकृअंततरू कुछ कड़े कदम उठाने पर मजबूर कर सकती है। मार्च में ओईसीडी की अंतरिम रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत को 2026 की दूसरी तिमाही में अस्थायी रूप से दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बड़े जोखिम हैं, जो इनपुट लागत और महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे विकास पर नीचे की ओर दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन अप्रैल 2026–मार्च 2027 की अवधि के लिए किए गए अनुमानों को थोड़ा कम किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वैश्विक बाधाओं के कारण 6.4 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत के बीच अलग–अलग अनुमान लगाए हैं। संभावित मंदी के बावजूद, विश्लेषकों का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग, ऊंची विनिर्माण गतिविधि और बेहतर कॉर्पोरेट बैलेंस शीट अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करती हैं।ईरान संघर्ष भारत के 135 अरब डालर से अधिक के रेमिटेंस प्रवाह के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से ज्यादा भारतीय कामगारों को नौकरी जाने, वेतन में कटौती और जबरन स्वदेश वापसी का सामना करना पड़ सकता है। भारत के रेमिटेंस का लगभग 38–40 प्रतिशत, या लगभग 51 अरब डालर, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र से आता है, जिससे अर्थव्यवस्था चल रही बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागतों के प्रति संवेदनशील हो जाती है। इस संघर्ष के कारण निर्माण और सेवा क्षेत्रों में लगभग 200,000 भारतीय नौकरियां जोखिम में हैं, जिनमें से 20–50 प्रतिशत लोगों को वेतन में कटौती या बिना वेतन के छुट्टी का सामना करना पड़ सकता है। 220,000 से ज्यादा भारतीय नागरिक पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। स्वदेश लौटने वाला हर कामगार परिवारों के लिए आय का एक स्रोत खो जाने का प्रतीक है, जिसका असर केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे भारतीय राज्यों में उपभोग पर पड़ता है। जीसीसी क्षेत्र में बढ़ती स्थानीय लागतें, और साथ ही कंपनियों द्वारा खर्चों में की जा रही कटौती, श्रमिकों के पास घर भेजने के लिए उपलब्ध खर्च योग्य आय को कम कर रही हैं। इन परिस्थितियों में, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति, सरकार के आर्थिक उद्देश्यों और घरेलू रोजगार व आय को सहारा देने के लिए उच्च विकास दर बनाए रखने की आवश्यकता के आड़े आएगी। बैंक दर को अपरिवर्तित रखने का उसका निर्णय, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के बजाय सरकार के सामने मौजूद आर्थिक चुनौतियों से अधिक जुड़ा हो सकता है, भले ही मुद्रास्फीति नियंत्रण केंद्रीय बैंक का प्राथमिक कार्य है। नीतिगत रेपो दर का मूल उद्देश्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना और वित्तीय स्थिरता बनाए रखना है, जबकि साथ ही एक लचीले मुद्रास्फीति–लक्ष्यीकरण ढांचे के भीतर आर्थिक विकास का प्रबंध ान भी करना है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति हर दो महीने में इन दरों की समीक्षा करती है, ताकि अर्थव्यवस्था को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के चार प्रतिशत (दो प्रतिशत की सहनशीलता सीमा) के लक्ष्य के साथ संरेखित किया जा सके। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हैं और ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार गिरावट ने आयात (कच्चा तेल, धातुएं, खाने के तेल) को और महंगा कर दिया है। देश के राजमार्ग अवसंरचना में सुधार के कारण लोगों की निर्भरता सड़क परिवहन पर ज्यादा बढ़ गई है। लॉजिस्टिक्स की बढ़ती मांग लागत को और बढ़ा रही है। अप्रैल तक, भारत में कमोडिटी और परिवहन लागत में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसकी मुख्य वजहें हैंकृवैश्विक स्तर पर तेल की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया में भू–राजनीतिक तनाव और भारतीय रुपये का कमजोर होना। ब्लू डार्ट, मोविन और ऑलकार्गो गति जैसी बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने माल ढुलाई की दरों में 8–12 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। उन्होंने इसके लिए ईंधन, मजदूरी और अवसंरचना की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए सरकार के प्रयासों के बावजूद, परिवहन लागत बढ़ रही है। इसकी मुख्य वजह है कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, जो इस समय लगभग 90–110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर चल रही हैं। मजदूरी में बढ़ोतरी, ट्रकों के फाइनेंसिंग की ऊंची लागत और 2026 के मध्य में लागू होने वाले नए ट्रक टोल के कारण भी लागत बढ़ रही है। आमतौर पर, केंद्रीय बैंक की रेपो दर मौद्रिक नीति के एक प्रमुख साधन के तौर पर सीधे तौर पर मुद्रास्फीति की दर से जुड़ी होती है। इन दोनों के बीच संबंध आमतौर पर विपरीत होता हैरू जब मुद्रास्फीति बहुत ज्यादा होती है, तो केंद्रीय बैंक रेपो दर बढ़ा देता है ताकि पैसे की आपूर्ति कम करके मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सकेय वहीं, जब मुद्रास्फीति कम होती है, तो बैंक रेपो दर घटा देता है ताकि आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके। जब मुद्रास्फीति ऊंची होती है,

लोककथाओं का मानवीय संसार

अंजलि श्रीवास्तव
प्रयागराज

भारतीय लोककथाएं समाज के सामूहिक स्मृति अनुभव और नैतिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। लोककथा उस समाज की आवाज है जो लिखित इतिहास से बाहर रह गया, पर जीवन के अनुभव को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रतिको और कथाओं के माध्यम से संरक्षित करता रहा। लोक कथाओं का संसार वास्तव में मनुष्य के भीतर बसे भय, विश्वास प्रेम संघर्ष नैतिकता और सामाजिक संबंधों का संसार है।

लोक कथाओं का जन्म किसी लेखक के द्वारा नहीं बल्कि जीवन के बीच होता है। खेतों में काम करती स्त्रियों, चूल्हे के पास बैठी दादी, यात्राओं में मिले अनुभव, प्रकृति के रहस्य, इन सब ने मिलकर लोक कथाओं को जन्म दिया। यही कारण है कि लोक कथाओं कृत्रिमता नहीं बल्कि सहज मानवीय अनुभवों की सच्चाई मिलती है।

लोककथाओं का पहला मानवीय पक्ष–सामूहिक अनुभव। इन कथाओं का कोई एक रचनाकार नहीं होता |समाज स्वयंम इसका रचयिता होता है। जब कोई कथा पीढ़ियों तक सुनाई जाती है तो उसमें समाज के स्वीकृति और जीवनबोध शामिल होता है। इस प्रकार लोक कथा व्यक्ति की नहीं समुदाय की चेतना को व्यक्त करता है।

लोक कथाओं में मनुष्य और प्रकृति का गहरा संबंध दिखाई देता है। पेड़ ,नदी, पशु, पक्षी, पर्वत –सभी जीवित पात्रों की तरह व्यवहार करते हैं । यह दृष्टि मनुष्य को प्रकृति से अलग नहीं बल्कि उसका अंग मांगती है । आधुनिक जीवन में जहां मनुष्य प्रकृति से दूर हो जा रहा है, वही लोककथाएं हमें सहअस्तित्व का पाठ पढ़ाती है।

लोककथाओं का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है–नैतिक बोध। लोक कथाओं में अच्छाई और बुराई का संघर्ष केवल मनोरंजन नहीं होता, बल्कि सामाजिक शिक्षा का माध्यम होता है। लोभी व्यक्ति अंततः हारता है, दयालु व्यक्ति सम्मान पाता है अन्याय का अंत होता है–यह सब समाज के नैतिक संरचना को मजबूत करने का प्रयास है। लोककथा बच्चों को शिक्षा देती है, परंतु व्यस्को को भी आत्मपरीक्षण के लिए प्रेरित करती है।

भारतीय लोककथाओं में स्त्री पात्र विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लोककथाओं की स्त्री केवल पीड़ित नहीं होती, बहुत बुद्धिमान धैर्यवान वह निर्णायक भूमिका निभाने वाली होती है। अनेक कथाओं में स्त्री अपनी बुद्धि से संकट हल करती है। इससे स्पष्ट होता है कि लोकसमाज स्त्री की चेतना और विवेक को पहचानता था। भले ही सामाजिक संरचनाएं उसे सीमित करती हो।

लोककथा में हास्य भी एक मानवीय तत्व है। कठिन जीवन परिस्थितियों के बीच भी लोक समाज हंसना नहीं भूलता, चतुर चरित्र, मूर्ख राजा, चालाक किसान, यह बुद्धिमान स्त्री–यह पात्र समाज को व्यंग्य के माध्यम से आईना दिखाते हैं। हंसी यहां मनोरंजन के साथ–साथ सामाजिक आलोचना का साधन भी बन जाता है।

लोक कथाओं का एक महत्वपूर्ण आयाम है– आशा। लगभग हर कथा में अंततः न्याय स्थापित होता है यह लोग समाज के आशावादी मानसिकता को दर्शाता है। कठिनाइयों से भरे जीवन में लोककथा लोगों को विश्वास देती है संघर्ष के बाद सुख संभव है।

लोककथाएं सामाजिक संरचनाओं का दस्तावेज भी है। इसमें वर्गभेद, सत्ता, श्रम, पारिवारिक संबंध और सामाजिक मूल्य प्रतिबंधित होते हैं। राजा –प्रजा, अमीर –गरीब, सास–बहू ,भाई– बहन, जैसे संबंधों के माध्यम से समाज के वास्तविक स्थितियां सामने आती हैं। इस प्रकार लोककथा समाजशास्त्री अध्ययन का भी महत्वपूर्ण स्रोत बन जाती है।

लोक कथाओं में कल्पना का महत्त्व केवल मनोरंजन नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक आवश्यकता है। अद्भुत घटनाएं, जादुई बस्तुएं ,और बोलते पशु –ये सब मनुष्य की कल्पना शक्ति को विस्तार देते हैं। कठिन जीवन से कुछ क्षणों का मुक्ति अनुभव भी लोक कथा प्रदान करती है।

आधुनिक समय में जब डिजिटल माध्यमों ने कहानी कहने की शैली बदल दी है,तब लोक कथाओं का महत्व और बढ़ जाता है। वे हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है। लोककथा हमें यह याद दिलाती हैं कि तकनीकी प्रगति के बावजूद मनुष्य की मूल भावनाएं वही है –प्रेम ,भय, विश्वास, और संबंध।

आज आवश्यकता है कि लोकथाओं को केवल अतीत की धरोहर ना मानकर वर्तमान संदर्भ में पढ़ा जाए । उनमें छिपी मानवी संवेदनाएं आज भी प्रासंगिक है। सामाजिक हिंसा अकेलापन प्रतिस्पर्धा और मूल्य संकट के समय में लोक कथाएं सामूहिक सहानुभूति का पाठ पढ़ती है।

लोक कथाओं का मानवीय संसार हमें यह सिखाता है कि समाज केवल नियमों से नहीं, बल्कि कहानियों से जीवित रहता है। कथा मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है। जब एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को कथा सुनाती है, तब केवल कहानी नहीं अनुभव मूल्य और पहचान भी हस्तांतरित होती है। अतः लोककथाएं साहित्य की सरल विधा भर नहीं है, वे मानव सभ्यता की भावनात्मक धरोहर है ।उसमें मनुष्य का संघर्ष, करुणा, बुद्धि ,और आशा एक साथ उपस्थित रहते हैं। लोक कथाओं का अध्ययन हमें अपने समाज को समझने के साथ–साथ स्वयं को समझने का अवसर देता है।

इस प्रकार लोक कथाओं का मानवीय संसार जीवन की उस गहराई को उद्घाटित करता है जहां मनुष्य अपनी सीमाओं के बावजूद संबंध और नैतिकता की खोज करता रहता है। यही कारण है कि लोककथाएं समय बदलने पर भी जीवित रहती हैं –क्योंकि वे मनुष्य के भीतर बसे मनुष्य की कथा है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'मर्यादा'

अभी–अभी पैथालॉजी से एक आदमी इन्फर्टलिटी टेस्ट की रिपोर्ट्स दे गया था। रिपोर्ट देखकर घर में मातमी सन्नाटा पसर गया।

'दिपुआ कभी बाप नहीं बन सकता, अब का होई,' अम्मा सोच सोचकर पगला रहीं थी।

'अरे! नासपीटी रिपोर्ट हमार दिपुआ की जगह वीना बहूरिया की गड़बड़ होत तो हम दुसरी शादी करायी देते। अब तो कोई रास्ता भी नाहीं सूझ रहा है, ' अम्मा बड़बड़ाये जा रहीं थीं।

'अम्मा एक रास्ता है वीना की दूसरी शादी कर दो उसका माँ बनने का सपना भी पूरा हो जाएगा,' दीपू खीझ छिपाते हुए बोला।

'चुप्प.. ऐसन वैइसन बेकार की बातें बतलाए तो हमसा बुरा कोई न होवे.. घर की बहूरिया है मर्यादा भी कछु चीज होत है या नाहीं,' अम्मा कहते हुए गुस्से में वहाँ से चली गईं।

सीमा वर्णिका
कानपुर

वेदांता हादसा, वही पुराने सवाल

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में हुए बड़े हादसे ने बिहार से बंगाल तक कई परिवारों पर बड़ा दुख बरपाया है। 14 अप्रैल की दोपहर में प्लांट की बॉयलर यूनिट के पास अचानक एक बड़ा धमाका हुआ, जिसने पल भर में कई जिंदगियों को लील लिया। घोषित तौर पर इस हादसे में अब तक 20 लोगों की जान जा चुकी है और कम से कम 36 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। लेकिन हताहतों का असली आंकड़ा क्या है, यह दावे से कौन कह सकता है, क्योंकि सात सौ डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा तापमान वाला बॉयलर जब फटा तो उस वक्त बड़ी संख्या में श्रमिक पेंटिंग और तकनीकी काम कर रहे थे। जिनमें से कुछ वहीं मारे गए, कुछ अस्पतालों में इलाज के दौरान मरे, और कुछ तो अंतिम संस्कार से पहले ही राख में तब्दील हो गए। मुर्दाघर के बाहर अपने परिजनों की शिनाख्त में लोग भटकते रहे, क्योंकि शवों की पहचान भी मुश्किल हो गई थी। कुछ श्रमिकों के परिजनों का दावा है कि प्लांट के भीतर काम करने गए कई लोग अब भी लापता हैं। बहरहाल इस हादसे के बाद जैसा कि रिवाज है, कंपनी ने, राज्य सरकार ने और इस बार तो केंद्र सरकार ने भी मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए लिखा, छत्तीसगढ़ के सिंघीतराई प्लांट में हुए दुखद हादसे से गहरा दुख हुआ है। इस हादसे से प्रभावित हर व्यक्ति मेरा परिवार है। आपके आंसू मेरे हैं, आपका दर्द मेरा है। हमारा पूरा सहयोग, हर तरह से आपके साथ है।श इसमें कोई दो राय नहीं कि कंपनी के मालिक को इस तरह के हादसे पर दुख है, लेकिन हताहतों के परिजनों पर जो बीती है, जो आंसू उनकी आंखों में हैं, वो मालिकान के कैसे हो सकते हैं। अगर ऐसा होता तो शायद ऐसे हादसे होने की नौबत ही नहीं आती। फिलहाल यह पता नहीं है कि बॉयलर किस वजह से फटा, इसलिए किसी पर सीधे दोषारोपण नहीं हो सकता। लेकिन अक्सर ऐसी औद्योगिक दुर्घटनाओं में यही देखा जाता है कि जरा सी लागत बचाने के फेर में रख–रखाव में चूक होती है, या अकुशल लोगों को काम पर रखा जाता है। इसमें जब कोई गड़बड़ होती है तो उसमें सबसे पहले श्रमिक ही प्रभावित होता है। कभी दुर्घटना का शिकार होकर किसी का अंग–भंग होता है, या जान चली जाती है, तो कुछ लाख रूपए का मुआवजा देकर बात आयी–गयी की जाती है। जो इंसान आठ–दस घंटे श्रम करके भी एक लाख रुपए इकञ्ठा नहीं कर पाता, उसे या उसके परिवार को अगर एकमुश्त कई लाख रूपए मिल जाएं, तो फिर कौन नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाएगा। फिर पूंजीवादी व्यवस्था का जाल भी ऐसा है कि गरीब को इंसाफ मिलने की उम्मीद रंचमात्र भी नहीं रहती है। इसलिए श्रमिकों के हक में यदा–कदा आवाज उठने के बाद भी उनकी जीवनस्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। बहरहाल, इस हादसे के बाद वेदांता कंपनी ने मृतकों के परिजनों के लिए 35 लाख रुपए मुआवजा और साथ ही रोजगार सहायता देने की घोषणा की है। वहीं घायलों के परिवारों के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की है। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि इस मामले में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सरकार की तरफ से मृतकों के परिवारों को 5–5 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस हादसे पर दुख जताया है, साथ ही मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ की ओर से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये देने का ऐलान किया है। चूंकि मृतकों में बंगाल से आए मजदूर भी शामिल हैं, शायद इस वजह से अभी प्रधानमंत्री को अचानक मजदूरों का दर्द दिखाई दिया है। इसके अलावा सक्ती कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि यह साफ हो सके कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई। कंपनी ने भी अपने स्तर पर अंदरूनी जांच शुरू कर दी है। इस जांच में यह समझने की कोशिश की जाएगी कि हादसा तकनीकी गड़बड़ी से हुआ या फिर किसी की लापरवाही इसकी वजह बनी साथ ही प्लांट में सुरक्षा इंतजाम कितने मजबूत थे इसकी भी पड़ताल की जाएगी। जांच के ऐसे ऐलान सुनकर उम्मीद बंधती है कि वाकई दोषियों की शिनाख्त होगी, लेकिन सच यही है कि औद्योगिक हादसों के बाद किसी को सजा मिली हो, ऐसे प्रकरण बेहद कम हुए हैं। अक्सर पूंजीतंत्र प्रशासनिक और न्याय व्यवस्था में अपने लिए बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता ढूंढ लेता है और भीतर बैठे लोग ही उसकी मदद करते हैं।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

तिरी दिलकश अदाओं से मुहब्बत हो गयी हमको
तिरी क़ातिल निगाहों से मुहब्बत हो गयी हमको

फ़ना तो हो गयी पल में करी बे-लौस रहमत जब
मुक़द्दस उन हवाओं से मुहब्बत हो गयी हमको

जिधर देखू उधर ही तू किसे कह दूँ पराया अब
तिरी हर इक सदाओं से मुहब्बत हो गई हमको

सितम जो ढ़ा रहे हम पर असर तेरी दुआओं का
तभी हर इक जफ़ाओं से मुहब्बत हो गयी हमको

करे बस इल्तिजा 'रचना' नहीं तू छोड़ना दामन
तुम्हारी हर रजाओं से मुहब्बत हो गयी हमको

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

वामिका गब्बी

पिता असरानी जी से मिलना चाहते थे, मगर अफसोस वो नहीं रहे, पापा को मेरे काम पर गर्व

बॉलीवुड और पंजाबी फिल्मों की एक्ट्रस वामिका गब्बी जल्दी ही अक्षय कुमार की फिल्म श्भूत बंगलाश में दिखाई देने वाली हैं। उन्होंने हाल ही में अपने काम और पर्सनल लाइफ को लेकर नवभारत टाइम्स से कई सारी बातें कीं। पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी–छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से। उनसे एक खास बातचीत।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया –बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, श्साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया –बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई। उन्होंने कहा, श्मगर सच कहूं, तो मैंने वो ऑडिशन भी बेमन से दिया था। मैंने सोचा इतने सालों में तो कुछ हुआ ही नहीं है, यहां थोड़े कुछ बात बनेगी। मुझे पूरा यकीन था कि मैं सिलेक्ट नहीं होऊंगी। हालांकि मुझे सीन करने में बहुत मजा आया था। मगर मैं उस रोल के लिए चुन ली गई और उसके बाद तो मेरी जिंदगी बदल गई। विशाल भारद्वाज जैसे फिल्मकार ने एक नई लड़की पर विश्वास जताया और कहा कि रोल के लिए मैं परफैक्ट हूं।श जबकि हम एक–दूसरे को जानते तक नहीं थे, मगर उसके बाद इंडस्ट्री और कास्टिंग डायरेक्टर्स के बीच ये चर्चा होने लगी कि विशाल भारद्वाज ने मुझ पर विश्वास जताया और फिर मुझे तरह–तरह के ऑडिशन के ऑफर्स आने लगे। वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी–खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, श्मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ –नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17–18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता। कई बार निराश भी हुई, मगर मुझे लगा था कि मुझे वो लड़की नहीं बनना। नहीं हुआ इंडस्ट्री में कुछ तो मैं कुछ और कर लूंगी। मगर आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि अगर मैंने अच्छा काम किया है, तो अच्छे लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। अकेले तो ऐन कुछ कर ही नहीं सकती थी। डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, श्आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।श ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय –साम्य पर वे जानवरों के हक में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, श्अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो .मुझे याद है मैं फुर्सत की शूटिंग कर रही थी और मेरी निगाह एक छोटे से डॉग पर पड़ी। मैं उसे घर ले आई, मुझे लगा अगर मैंने उसे नहीं बचाया, तो वो मर जाएगी।श

54 की तब्बू ने फिर मारी बाजी, सादगी ने जीता दिल, फीका पड़ा वामिका का लुक

इन दिनों एक हर किसी की जुबान पर एक ही मूवी का नाम हैं वो हैं भूत बांग्ला। फिल्म 'भूत बंगला' की स्क्रीनिंग पर इस बार फैशन का भी जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। बात अगर करे फिल्म की हीरोइनों की तो भाई स्क्रीनिंग इवेंट में स्टाइलिश रूप हॉट दिवा बन कर सबकी नजरो में छा गई। हरी आंखों वाली वामिका गब्बी ने ब्लैक ब्यूटी बनकर एंट्री ली तो भाई फिर वहीं 54 साल की तब्बू का देसी लिबास में संस्कारी रूप देखने को मिला। जिसने सारी लाइमलाइट अपने नाम कर ली और ग्लैमर दिखाती वामिका का अंदाज भी उनके आगे फीका पड़ गया। दोनों ही एक्ट्रेसेस खूबसूरती से तैयार होकर पहुंचीं।

तब्बू का देसी अंदाज छा गया

तब्बू ने इस मौके पर ट्रेडिशनल लुक चुना, जो बेहद क्लासी और एलिगेंट लगा। उन्होंने ग्रीन और गोल्डन कॉम्बिनेशन वाला शॉर्ट कुर्ता पहना, जिसे घेरदार स्कर्ट के साथ पेयर किया। कुर्ते पर सुनहरी कढ़ाई और फ्लोरल डिजाइन उसे रिच लुक दे रहे थे। वहीं उनकी स्कर्ट भी काफी फ्लोई थी, जिस पर गोल्डन धागों से बारीक कढ़ाई की गई थी। इस पूरे आउटफिट ने उन्हें एक रॉयल और सादगी भरा लुक दिया। इसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा बहुत ग्रेसफुल तरीके से एक कंधे पर डाला, जिससे उनका अंदाज और भी निखर गया। उनकी स्टाइलिंग में एक खास बात यह रही कि उन्होंने ज्यादा एक्सेसरीज नहीं पहनीं। सिर्फ हल्के–फुल्के ईयररिंग्स, कंगन और रिंग के साथ उन्होंने "कम में ज्यादा" वाला स्टाइल अपनाया। लंबे बालों की चोटी और हल्का मेकअप उनके इस लुक को और खास बना गया।

वामिका का ग्लैमरस लुक भी कम नहीं था

वहीं वामिका गब्बी ने इस इवेंट के लिए ऑल ब्लैक लुक चुना। उन्होंने स्ट्रैपलेस ब्लैक सेक्विन गाउन पहना, जो बॉडी फिटिंग था और उनके कर्व्स को खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा था। गाउन का डिजाइन मरमेड स्टाइल में था और ऊपर की तरफ कॉर्सेट लुक दिया गया था। पूरे गाउन पर शिमरी सेक्विन वर्क था, जो लाइट में चमकते हुए उन्हें रेड कार्पेट जैसा ग्लैम लुक दे रहा था। वामिका ने अपने लुक को सिंपल रखने के लिए ज्यादा जूलरी नहीं पहनी। उन्होंने सिर्फ डायमंड इयररिंग्स और कुछ रिंग्स कैरी कीं। बालों को सॉफ्ट वेवी स्टाइल में खुला रखा और मेकअप भी हल्का और नेचुरल रखा, जिससे उनका ग्लैमरस अंदाज और निखरकर सामने आया।

फिर भी क्यों तब्बू पर टिक गई नजरें?

हालांकि वामिका का लुक काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस था, लेकिन तब्बू का देसी अंदाज ज्यादा दिल जीत गया। इसकी वजह उनका क्लासिक रंगों का चुनाव, सिंपल लेकिन रॉयल स्टाइल और आत्मविश्वास भरा अंदाज था। जहां ब्लैक गाउन रेड कार्पेट पर आमतौर पर देखा जाता है, वहीं तब्बू का ऐसा खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक कम ही देखने को मिलता है।

कुल मिलाकर, वामिका ने अपने ग्लैम से लोगों को इंप्रेस किया, लेकिन तब्बू ने अपने सादगी भरे रॉयल लुक से पूरी लाइमलाइट अपने नाम कर ली।

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में अपनी मां और सुपरस्टार श्रीदेवी के निधन और उसके बाद आई मुश्किलों पर बात की है। जाह्नवी ने बताया कि वे अपनी जिंदगी के हर छोटे–बड़े फैसले के लिए मां पर निर्भर थीं। उनके अचानक चले जाने के बाद जाह्नवी को न सिर्फ अकेले फैसले लेना सीखना पड़ा, बल्कि दुनिया के कड़े व्यवहार और ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। हर छोटी बात के लिए मां पर थीं निर्भर राज शमानी के पॉडकास्ट में जाह्नवी ने बताया कि श्रीदेवी के रहते उन्होंने कभी खुद से कोई फैसला नहीं लिया था। जाह्नवी ने कहा, ष्मैं उन पर पूरी तरह निर्भर थी। मैं उनसे हर बात पूछती थी की क्या कपड़े पहनूं? क्या करूं? क्या सही है और क्या गलत? उनके जाने के बाद मुझे अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेना सीखना पड़ा।ष जाह्नवी ने यह भी माना कि इस दौरान उन्होंने कई गलत फैसले लिए और उन लोगों को अपनी निजी जिंदगी में दखल देने दिया, जिनका वहां कोई काम नहीं था।

टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश इन दिनों अपने लुक और स्टाइल को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई हैं. हाल ही में वह एक फैशन शो में नजर आईं, जहां उनके ग्लैमरस अंदाज ने फैंस का ध्यान खींच लिया. तेजस्वी की अदाएं और स्टाइल इतना पसंद किया गया कि उनका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. फैशन शो में तेजस्वी प्रकाश ने बिखेरा ग्लैम तेजस्वी प्रकाश ने हाल ही में एक फैशन शो में रैंप वॉक किया, जहां उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला. एक्ट्रेस ने इंडो वेसटर्न ड्रेस कैरी की थी, जिसमें वो काफी खूबसूरत लग रही थी. रैंप पर उतरते ही उन्होंने अपने स्टाइल और कॉन्फिडेंस से सबका ध्यान खींच लिया. उनका यह लुक अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. जिस पर फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं और उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. बता दें एक्ट्रेस हमेशा से अपने ग्लैमरस लुक्स को लेकर चर्चा में रही हैं. वो सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती रहती हैं, जहां फैंस उनके दीवाने हो जाते हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं. तेजस्वी प्रकाश का करियर तेजस्वी प्रकाश ने साल 2012 में टीवी सीरियल 2612 से डेब्यू किया और इसके बाद उन्हे शो स्वरागिनी से पॉपुलैरिटी मिली. इसके बाद एक्ट्रेस ने कई शोज किए. एक्ट्रेस कई रिएलिटी शोज का भी हिस्सा रही हैं. उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 10 में भाग लिया. फिर बिग बॉस 15 जीतकर उन्होंने जबरदस्त पॉपुलैरिटी हासिल की. इसके बाद उन्होंने एकता कपूर के सुपरहिट शो नागिन 6 में लीड रोल प्ले किया. वहीं इन दिनों तेजस्वी प्रकाश अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शो लाफ्टर शेफ्स 3 में नजर आ रही हैं।

कुकर में एक साथ बनाएं 3 नान, आटा लगाने की सही ट्रिक भी सीखेंय रेस्टोरेंट जैसे बनेंगे!

❍ नान बनाना अगर आपको भी मुश्किल और टाइम कंज्यूमिंग लगता है, तो ये टिप्स आपके बड़े काम आने वाली हैं। परफेक्ट आटा लगाने से ले कर एक बार में 3 नान बनाने का ये तरीका आपको खूब पसंद आएगा।

कोई भी ग्रेवी हो, साथ में नान खा कर मजा ही आ जाता है। रेस्टोरेंट में भी ज्यादातर लोग नान ही ऑर्डर करते हैं। वैसे घर पर नान बनाना उतना भी मुश्किल नहीं है, जितना लगता है। रेसिपी सिंपल ही है लेकिन इससे जुड़ी छोटी–छोटी बातें हैं, जो अक्सर परेशान करती हैं। जैसी अगर कुकर में नान बनाएं तो वो काफी ज्यादा टाइम ले लेते हैं। एक–एक नान को सेंकने में काफी टाइम और गैस लग जाती है। वहीं कई बार नान का आटा सही नहीं लगता, जिससे वो एक सख्त बनते हैं और खाने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते। आज हम आपकी इन्हीं प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन ले कर आए हैं। आटा लगाने से ले कर एक ही बार में तीन–तीन नान बनाने की ये टिप्स जान लेंगी, तो हर बार रेस्टोरेंट स्टाइल नान घर पर ही बना लेंगी और वो भी फटाफट। तो चलिए जानते हैं ये कमाल के कुकिंग हैक।

नान के लिए आटा कैसे लगाएं?

सबसे जरूरी काम है अच्छा आटा लगाना, ताकि नान एकदम सॉफ्ट और रेस्टोरेंट जैसे बनकर तैयार हों। यहां हम आपको जो तरीका बता रहे हैं, इससे आटा हर बार बिल्कुल परफेक्ट लगेगा। इसके लिए थोड़ी सी दही लें, उसमें बेकिंग सोडा या ईनो मिलाएं। साथ में नमक, तेल और चुटकी भर चीनी भी मिला दें। चीनी से नान का कलर भी अच्छा आता है और टेस्ट भी बैलेंस हो जाता है। अब इनमें मैदा डालें और आटा गूंथकर तैयार कर लें।

नान के लिए कैसा आटा लगाएं?

एक सवाल और भी रहता है कि नान के लिए आटा कैसा होना चाहिए। तो देखिए आपको बिल्कुल सॉफ्ट सा आटा लगाना है। जरूरत के हिसाब से आप थोड़ा–थोड़ा पानी मिला सकती हैं। आटा सॉफ्ट रहेगा तो नान भी एकदम नर्म बनकर तैयार होंगे। अब आते को कम से कम आधे घंटे के लिए ढककर छोड़ दें, ताकि ये अच्छी तरह सेट हो जाए।

नान बेलते हुए करें ये काम

मार्केट वाली नान थोड़ी अंडाकार शेप की होती है। आप उसी शेप में नान बेल सकती हैं। हालांकि बेलते हुए लोई पर थोड़ा सा बारीक कटा हुआ हरा धनिया और कलौंजी डाल दें। फिर बेलेंगी तो नान देखने में भी खूबसूरत लगेंगे और खाने में भी उनका टेस्ट बढ़ जाएगा।

कुकर में एक साथ बनाएं ढेरों नान

अब घर पर तंदूर नहीं है तो क्या हुआ। कुकर में बिल्कुल वैसे ही नान आप बना सकती हैं, वो भी एक साथ तीन–तीन। इसके लिए सबसे पहले कुकर को उल्टा कर के गैस पर रख दें और गर्म होने दें। कुकर गर्म हो जाए तो नान के दूसरे हिस्से पर पानी लगाकर कुकर के ऊपर चिपका दें। एक बार में आप तीन नान कुकर पर चिपका सकती हैं। दोनों साइड में एक–एक और कुकर की तली पर एक। जब ये एक साइड से अच्छी तरह सिक जाएं, तो कुकर को उठाकर गैस की फ्लेम से दूसरी साइड को भी सेंक लें। एक साथ तीनों नान बनकर तैयार हो जाएंगे। अब इनपर बटर लगाएं, घर पर रेस्टोरेंट जैसे नान रेडी हैं।

कभी नाम भी नहीं सुना होगा! उत्तराखंड की 5 मोस्ट ऑफबीट डेस्टिनेशन, समर वेकेशन के लिए हैं परफेक्ट

दिल्ली वाले गर्मियों की छुट्टियां होते ही पहाड़ों पर जाने का प्लान बनाने लगते हैं। लेकिन शिमला, मसूरी, कुल्लू जैसी जगहों पर जाकर ऊब चुके हैं तो अबकी समर वेकेशन में एक्स्प्लोर करें उत्तराखंड के ये 5 ऑफबीट डेस्टिनेशन। जहां पर सुंदर नजारों के साथ मिलेगी शांति और पहाड़ों पर नेचर के करीब रहने का मौका। तो अगर आप फैमिली के साथ ट्रिप प्लान कर रहे या दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर जाना चाहते हैं। इन डेस्टिनेशन को एक बार जरूर विजिट करें, बार–बार जाने का दिल करेगा।

पियोड़ा गांव

उत्तराखंड में नैनीताल के आगे मुक्तेश्वर के पास गांव है पियोरा, जिसे लोकल पियोड़ा भी बोलते हैं। इस गांव की सुंदरता टूरिस्ट को यहां खींचकर लाती है। साढ़े छह हजार फीट की ऊंचाई पर बसा ये गांव मुक्तेश्वर से मात्र 10 किमी की दूरी पर है। पास में ही कपिलेश्वर महादेव मंदिर है जो नदी के किनारे बसा है। यहां से पहाड़ों के सुंदर नजारों के साथ सब कुछ देसी और लोकल मिलेगा। अगर आप गर्मियों में शांत और सुकून वाली जगह पर कुछ दिन बिताना चाहते हैं तो यहां पर होटल के अलावा कई सारे होम स्टे मिल जाएंगे।

भारी केमिकल डालकर पका है मार्केट में मिल रहा पीला–रसीला दिख रहा आम, ऐसे करें पहचान

❍ बाजार में मिल रहे पीले रसीले आम देखकर ललचा रहे तो संभल जाएं। ये आम केमिकल से पके हुए भी हो सकते हैं। खरीदने से पहले जान लें ज्यादा केमिकल से पकाए आम को किस तरह से पहचानें।

आम का सीजन आ चुका है और मार्केट में हर जगह पीले–पीले आम मिल रहे। लेकिन इन रसीले दिख रहे पीले आम की सच्चाई काफी अलग है। जब आप इन आम को खरीदकर खाएंगे तो आम का ऊपरी हिस्सा बेहद मीठा और गुठली के करीब वाला हिस्सा खट्टा होगा। यहीं नहीं आम को पकाने के लिए व्यापारी उन कच्चे आम का भी यूज कर ले रहे जिनकी गुठली तक नहीं ठोस हुई है और आप उन्हें आराम से चाकू की मदद से काट सकते हैं। तो अगर आप मार्केट से पके आम शौक से खरीदकर ला रहे तो सबसे पहले पहचान लें कहीं ये केमिकल के पके आम तो नहीं३

यही नहीं हैदराबाद में करीब 200 किलोग्राम आर्टीफिशियल पके आमों को सीज किया गया है। अथॉरिटी ने पाया कि आमों को तेजी से पकाने के लिए केमिकल पाउच का यूज किया जा रहा। ऐसे में मार्केट में मिल रहे आम खरीदने से पहले केमिकल से पके आम की पहचान करना जरूर सीख लें।

क्या कहता है FSSAI का नियम

FSSAI के नियम के मुताबिक आर्टीफिशियल तरीके से पकाए गए फल गैरकानूनी नहीं है। लेकिन उन फलों को पकाने के लिए सही केमिकल का यूज होना चाहिए।

जैसे कैल्शियम कार्बाइड जिसका इस्तेमाल आम, केला जैसे फलों को पकाने के लिए होता था, उसे सख्ती के साथ बैन कर दिया गया है क्योंकि ये हेल्थ के लिए हार्मफुल होते हैं।

वहीं एथिलिन गैस, जो कि नेचुरल एजेंट है जो फलों को पकाने में मदद करती है, उसे कंट्रोल और सुरक्षित मात्रा में यूज कर आम जैसे फलों को पकाने के लिए यूज कर सकते हैं। अगर एथिलिन की ज्यादा मात्रा डालकर भी जल्दी से आम को पकाया जाता है तो ये गलत है। जैसा कि हैदराबाद में पकड़ा गया। ऐसे में जानें कैसे पहचान सकते हैं केमिकल से पके आम।

आम का कलर

केमिकल से पके आम का कलर बिल्कुल चटक पीला दिखता है। जबकि नेचुरल पके आम हल्के पीले, हरे से दिखते हैं। लेकिन जो आम केमिकल से पका होगा उसका कलर या तो बिल्कुल पीला होगा या फिर जिस जगह केमिकल नहीं पहुंचा होगा वहां पर बिल्कुल कच्चे हरे रंग का दिखेगा। अगर आम का रंग कुछ ऐसा है तो इसे खरीदने से बचें।

आम की महक

वैसे को पके हुए आम की महक आपको दूर से ही आ जाएगी। मीठी सुगंध से ज्यादातर लोग वाकिफ होंगे लेकिन केमिकल से पके आम या तो बगैर महक के होंगे या उसमे से अजीब सी स्मेल आती होगी।

आम का टेक्सचर

केमिकल के पके आम काफी ज्यादा सॉफ्ट होते हैं और गले हुए से रहते हैं।

आम पर धब्बे

केमिकल को ज्यादा मात्रा में डालकर अगर आम पकाया गया है तो उस पर बदरंगे से धब्बे दिखेंगे। जो कि केमिकल एक्सपोजर की वजह से होते हैं।

पके आम तैरते नहीं

अगर आम केमिकल से पका है तो वो पानी पर तैरता रहेगा। आम को लाकर पानी में डाल दें। जो आम पानी में ऊपर तैरता रहेगा, वो केमिकल से पका आम है।

ना मावा, ना मैदा! 1 कप आटे से बनाएं हलवाई जैसे 1 किलो गुलाबजामुन, मुंह में घुल जाएंगे

❍ गुलाबजामुन का नाम सुनते ही अगर आपके मुंह में भी पानी आ जाता है, तो ये रेसिपी एक बार जरूर ट्राई करें। इतने रसीले और टेस्टी बनेंगे कि दोबारा मार्केट से लाने की आप सोचेंगी भी नहीं।

कुछ मीठा खाने की क्रेविंग तो बच्चों से ले कर बड़ों तक सभी को होती है। खासतौर से खाने के बाद तो हम इंडियंस को मीठा चाहिए ही। खैर, अब बाजार से मिठाइयां तो किसी खास मौके पर ही आती हैं। बाकी दिनों अगर कुछ बढ़िया खाना हो, तो सबसे बेस्ट है कि घर पर ही तैयार कर लें। आज हम आपके साथ इंस्टेंट गुलाबजामुन की रेसिपी शेयर कर रहे हैं,जो वाकई कुछ ही मिनटों में बन जाते हैं। इनके लिए आपको मावा और मैदा जैसी चीजों की भी जरूरत नहीं। बिल्कुल हलवाई जैसे गुलाबजामुन बनते हैं, इतने रसीले की मुंह में पूरी तरह घुल जाएं। आप भी इस रेसिपी और टिप्स को फॉलो कर के घरवालों के लिए गुलाबजामुन बना सकती हैं, बड़े शौक से खाएंगे। आइए देखते हैं कैसे बनाने हैं।

इंस्टेंट गुलाबजामुन बनाने के लिए प्रीमिक्स

गुलाबजामुन बनाने के लिए आप सबसे पहले एक प्रीमिक्स बनाकर रख सकती हैं। इसे आराम से 15–20 दिन तक स्टोर किया जा सकता है। वहीं फ्रिज में ये दोगुने दिन चल जाएगा। प्रीमिक्स बनाने के आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– गेहूं का आटा (1 कप), मिल्क पाउडर (1 कप), इलायची पाउडर (आधा चम्मच), बेकिंग सोडा (आधा चम्मच)। इन सभी चीजों को मिक्स कर के रख लें। इतने प्रीमिक्स में आप दो बार गुलाबजामुन बना सकती हैं।

प्रीमिक्स से कैसे बनाएं गुलाबजामुन

अभी हमनें जो प्रीमिक्स बनाया है उसकी मात्रा काफी ज्यादा है। इसलिए पहली बार में आप इसका आधा ले सकती हैं। उसमें हर चीज की मात्रा बताई गई मात्रा का आधा हो जाएगी। अब जब भी गुलाबजामुन बनाएं इसमें आधा चम्मच देसी घी मिलाएं। पूरे प्रीमिक्स से गुलाबजामुन बना रही हैं, तो 3 चम्मच घी इस्तेमाल होगा। अब इसमें करीब 5 चम्मच दूध डालें और अच्छे से मिक्स करें। आपको इसे ज्यादा सख्त भी नहीं रखना और ज्यादा ढीला भी नहीं करना।

चूंकि इसमें मिल्क पाउडर है इसलिए दो से तीन मिनट में ही ये मिक्सचर ड्राई हो जाएगा। अब इसे एक मिनट के लिए मसलते हुए अच्छे से तैयार कर लें। इसके बाद डो से छोटी छोटी लोइयां बनाएं और उन्हें हथेली से मसलते हुए गुलाबजामुन की शेप दे दें। शेप ज्यादा बड़ी ना रखें, वरना ये अंदर से कच्चे रह सकते हैं। आप चाहें तो इनमें ड्राई फ्रूट्स भी मिला सकती हैं।

टिप : गुलाबजामुन को तेल या घी में फ्राई करते हुए गैस की फ्लेम ज्यादा तेज ना रखें। तेल ज्यादा गर्म होगा तो गुलाबजामुन बाहर से जल जाएंगे और अंदर से कच्चे रह जाएंगे। इसलिए फ्राई करते हुए तेल थोड़ा ही गर्म होना चाहिए।

चाशनी का सही अनुपात और पकाने का तरीका

गुलाबजामुन की चाशनी बनाने के लिए आपको लगभग डेढ़ कप चीनी लेनी है, जिसमें दो कप पानी मिलाना है। गुलाबजामुन के लिए चाशनी ज्यादा ही होनी चाहिए, ताकि ये अच्छे से फूल सकें। अब चीनी को घुलने दें, फिर इसमें आप केवड़ा जल, गुलाबजल या इलायची तोड़कर डाल सकती हैं। चाशनी को उबलते हुए जब 2–4 मिनट हो जाएं, तो इसमें गुलाबजामुन एड करें और इन्हें भी 2–3 मिनट के लिए उबलने दें। अब गैस की फ्लेम बंद करें उर इन्हें ढककर आधा घंटे के लिए यूं ही छोड़ दें। एकदम परफेक्ट रसीले गुलाबजामुन बनकर तैयार होंगे।

दिल्ली से केदारनाथ ट्रिप, ट्रैवल इंफ्लूएंसर से जान लें पूरा बजट और प्लान

❍ केदारनाथ धाम जाने का प्लान है और भोले बाबा के दर्शन करने हैं। तो इस यात्रा पर जाने की कंप्लीट डिटेल और बजट के बारे में जानकारी जरूर कर लें। ट्रैवल इंफ्लूएंसर ने शेयर किया है केदारनाथ बजट की डिटेल।

केदारनाथ धाम की यात्रा लोगों का सपना होती है। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भगवान शिव के इस पवित्र धाम में जाने के सपने को साकार करने की प्लानिंग इस साल बना रहे तो सही टाइमिंग के साथ बजट के बारे में भी जानकारी कर लें। वैसे तो हर साल की तरह इस बार भी कपाट खुलने की तारीख तय हो चुकी है और 22 अप्रैल को सुबह 8 बजे भक्तों के लिए कपाट खोल दिए जाएंगे। ऐसे में टूरिस्ट केदारनाथ यात्रा का रजिस्ट्रेशन करवाना स्टार्ट कर चुके हैं। अगर आप भी इस स्प्रिचुअल जर्नी पर जाने की सोच रहे लेकिन बजट कम है तो ट्रैवल इंफ्लूएंसर सूरज ने इंस्टाग्राम पेज पर पूरे केदारनाथ यात्रा का बजट प्लान शेयर किया है। जिसमे पर पर्सन खर्च बताया गया है और आप इसकी मदद से जाने–आने का प्लान बना सकते हैं।

केदारनाथ धाम का कंप्लीट बजट प्लान

केदारनाथ धाम जाने का ये प्लान दिल्ली से है। तो अगर आप दिल्ली से इस यात्रा को प्लान कर रहे तो ये बजट प्लान आपके काम आ सकता है। जिसमे गौरीकुंड में होटल या धर्मशाला का स्टे बजट भी शामिल है। वैसे आपकी सुविधाओं के हिसाब से ये खर्च ज्यादा भी हो सकता है। लेकिन पर पर्सन कम से कम इतना खर्च होगा।

1– दिल्ली से हरिद्वार बस या ट्रेन से जाएं। किराया लगभग 350 से 500 रुपये होगा।

2– हरिद्वार से बस या शेयर्ड जीप से सोनप्रयाग जाएं। सोनप्रयाग तक जाने का किराया होगा लगभग 800 से 1000 रुपये।

3–सोनप्रयाग से गौरीकुंड का किराया होगा करीब 50 से 100 रुपये। गौरीकुंड में स्टे कर लें। जिससे आप अगले दिन ट्रैवल के लिए पूरी तरह से फ्रेश रहें और थकान दूर हो जाए।

4– गौरीकुंड में रुकने के लिए आपको कई बजट में होटल और धर्मशाला मिल जाएंगे। 2–3 नाइट का स्टे 1000 से 1500 रुपये तक पड़ेगा।

5– गौरीकुंड से 16 किमी लंबी आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत होती है।

10 मिनट में तैयार हो जाता है कच्चे आम का इंस्टेंट अचार, रेसिपी देखते ही मुंह में आएगा पानी

❍ गर्मियों के सीजन में तरह–तरह के आम आना शुरू हो जाते हैं। इस मौसम में आने वाले कच्चे आम से इंस्टेंट अचार बना सकते हैं। यहां सीखिए 10 मिनट में कच्चे आम से इंस्टेंट अचार बनाने का तरीका।

आम का अचार खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ा देता है। ट्रेडिशनल तरीके से बनने वाला आम का अचार कम से कम 2 हफ्ते में बनकर तैयार होता है और इसमें मेहनत भी बहुत होती है। लेकिन अगर आपके पास समय कम है लेकिन आम का अचार खाने का मन भी है तो कच्चे आम से इंस्टेंट अचार बनाएं। ये अचार 10 मिनट मे बनकर तैयार हो जाता है। इस इंस्टेंट अचार को बनाने के लिए भी घर के बने अचार मसाले को डाला जाता है इसलिए स्वाद बिल्कुल वही ट्रेडिशनल अचार वाला आता है। अचार में खट्टे पन के लिए और जल्दी गलने के लिए विनेगर का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए इसे तुरंत खाने पर भी टेस्ट अच्छा ही आता है।

कच्चे आम का इंस्टेंट अचार बनाने की सामग्री

कच्चे आम का इंस्टेंट अचार बनाने के लिए आपको चाहिए एक किलो कच्चा आम। इस अचार को बनाने के लिए घर में अचार मसाला तैयार करना होगा। इसके लिए एक बड़ा चम्मच धनिया के बीज, एक बड़ा चम्मच जीरा, एक छोटा चम्मच काली मिर्च, आधा बड़ा चम्मच काली सरसों, एक बड़ा चम्मच पीली सरसों, आधा छोटा चम्मच मेथी दाना, दो छोटे चम्मच नमक, दो छोटे चम्मच हल्दी, दो छोटे चम्मच अमचूर पाउडर, चार बड़े चम्मच अचार मसाला, एक बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक बड़ा चम्मच कश्मीरी पाउडर, नमक स्वादानुसार, 250 मिली सरसों का तेल, 100 मिली सिरका।

कच्चे आम का इंस्टेंट अचार बनाने की विधि

आम का अचार बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे आम को अच्छे से धो लें और फिर अपनी पसंद की शेप में काट लें। वीडियो में कच्चे आम को लंबे–लंबे पतले स्लाइस में काटा है। अब कटे हुए आम के टुकड़ों को एक तरफ रख दें और फिर मसाला तैयार करें।

संक्षिप्त

नीरज चोपड़ा–सुमित अंतिल ने कोच नवल पर लगाए मानसिक उत्पीड़न के आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और मौखिक दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत का समर्थन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने भी किया है। अंतिल ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को लिखित शिकायत में कहा कि कोच नवल सिंह न केवल उनका मानसिक उत्पीड़न करते थे, बल्कि उनके और नीरज चोपड़ा के परिवारों के साथ भी अभद्र व्यवहार करते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोच जानबूझकर अपमानजनक बातें रिकॉर्ड कर टीम प्रबंधन तक पहुंचाते थे, ताकि यह बातें खिलाड़ियों तक पहुंचें। साइ ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि नवल सिंह उनके कर्मचारी नहीं हैं। वे एएफआई द्वारा राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के तहत एक अन्य शीर्ष खिलाड़ी को ट्रेनिंग दे रहे हैं। अंतिल ने बताया कि उनकी शिकायत का समर्थन नीरज चोपड़ा के अलावा पैरा–एथलीट नवदीप सिंह और संदीप चौधरी ने भी किया है। उन्होंने कहा कि शिकायत किए एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई या आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर शीर्ष खिलाड़ियों की बात नहीं सुनी जाती, तो अन्य खिलाड़ियों को न्याय कैसे मिलेगा। कोच नवल सिंह को 2015 में द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला था और वे फिलहाल उभरते भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव को प्रशिक्षण दे रहे हैं। अंतिल ने आशंका जताई कि कोच का व्यवहार इस कारण भी हो सकता है कि वे चाहते हैं कि सचिन यादव, नीरज चोपड़ा से बेहतर प्रदर्शन करें। यह मामला अब खेल जगत में गंभीर चर्चा का विषय बन गया है और सभी की नजरें साई तथा एएफआई की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

सरफराज अहमद बने नए मुख्य कोच, बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम का एलान, चार नए चेहरे

कराची,एजेंसी। सरफराज अहमद को पाकिस्तान टेस्ट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले यह बड़ा फैसला लिया है। सरफराज के साथ असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच बनाया गया है। इन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया गया है, जिसकी कमान शान मसूद संभालेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान फिलहाल पांचवें स्थान पर है और बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेगा। टीम में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो टीम को मजबूती देंगे। इस बार चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया है। अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान अवैस और गाजी घोरी को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसके आधार पर उन्हें मौका मिला है। खासतौर पर बाएं हाथ के बल्लेबाज फजल और अवैस ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि अमाद बट एक ऑलराउंडर के तौर पर टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट आठ से 12 मई तक शेर–ए–बांग्ला स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। सीरीज से पहले पाकिस्तान के खिलाड़ी 27 अप्रैल से एक मई तक कराची में रेड–बॉल ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेंगे, जिससे टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सके। पाकिस्तान टेस्ट स्क्वॉड– शान मसूद (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान अवैस, बाबर आजम, हसन अली, इमाम–उल–हक, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान, गाजी घोरी, नोमान अली, साजिद खान, सलमान अली आगा, सऊद शकील और शाहीन शाह अफरीदी।

2026 की शुरुआत में शिपमेंट 3प्रतिशत घटा, छह साल का सबसे कमजोर प्रदर्शन

नई दिल्ली,एजेंसी। जनवरी से मार्च 2026 तक भारत के स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के पहले तीन महीनों के दौरान भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 3 फीसदी की गिरावट आई। ये पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी, कंपनियों द्वारा कीमतें बढ़ाना और कमजोर उपभोक्ता मांग इन तीनों कारकों ने बाजार पर दबाव डाला। बढ़ते दामों के कारण खुदरा बिक्री पर असर पड़ा, जबकि लॉन्च गतिविधियां अधिक होने के बावजूद बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं आई। 15,000 रुपये से कम वाले फोन की बिक्री में सबसे अधिक कमी आई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के निदेशक तरुण पाठक ने कहा कि लगातार तीन तिमाहियों में स्मार्टफोन महंगे हुए हैं और उपभोक्ता अपने फोन बदलने का समय टाल रहे हैं। ऐसे में निकट भविष्य में भी बाजार पर दबाव बना रह सकता है। इस साल दूसरी तिमाही में शिपमेंट दहाई अंक तक गिर सकता है, क्योंकि कीमतों में तेज वृद्धि और सस्ते स्मार्टफोन की मांग कमजोर बनी हुई है। वर्ष 2026 के लिए लगभग 10 फीसदी गिरावट का अनुमान है।

मंधाना ने तोड़ा हिटमैन का रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली भारतीय, बाबर को भी पछाड़ने की दहलीज पर

डरबन,एजेंसी। भारतीय महिला टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने इतिहास रच दिया है। वह पुरुषों और महिलाओं को मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दुनिया भर के बल्लेबाजों को मिलाकर बाबर आजम को पीछे छोड़ने के करीब हैं। हालांकि, भारतीय महिला टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच में मंधाना हालांकि बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। वह सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन इन 13 रनों की बदौलत उन्होंने रोहित के 4231 रनों के आंकड़े को पार कर लिया। अब मंधाना के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 161 मैचों की 155 पारियों में 4244 रन दर्ज हो गए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 124.39 का रहा है। इसमें 33 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके रोहित ने 159 टी20 की 151 पारियों में 4231 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 140.90 का रहा था। इनमें 32 अर्धशतक और पांच शतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में पुरुषों में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम है। बाबर ने 145 मैचों में 128.02 के स्ट्राइक रेट से 4596 रन बनाए हैं। इनमें 39 अर्धशतक और तीन शतक शामिल हैं। मंधाना बाबर के आंकड़े से 352 रन दूर हैं। वहीं, महिलाओं में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम हैं। बेट्स ने 181 मैचों में 4717 रन बनाए हैं।

मैच की बात करें तो भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमों के बीच शुक्रवार को पांच टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया को छह विकेट से हार का सामना करना

पड़ा।दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्ड्ट ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पारी की शुरुआत की और पहले विकेट के लिए पांच ओवर में 46 रन जोड़े। वर्मा 20 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुईं। इसके ठीक बाद मंधाना भी 13 रन बनाकर आउट हो गईं। 48 रन पर दो विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। रोड्रिग्स 29 गेंदों पर 36 रन बनाकर आउट हुईं। टीम इंडिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया। किसी ने भी क्रीज पर मौजूद कप्तान कौर का साथ नहीं दिया। कौर 33 गेंदों पर एक छक्का और पांच चौकों की मदद से 47 रन बनाकर नाबाद लौटीं। भारतीय टीम ने 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंगा खाका ने तीन, टुमी सेखुखुने ने दो, और एन मलाबा ने एक विकेट लिए।

158 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 19.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पारी की शुरुआत करने आईं कप्तान एल वोल्वार्ड्ट ने 39 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली। एनेरी डर्कसन 34 गेंदों पर 44 रन बनाकर नाबाद रहीं। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी हुई। क्लो ट्रायोन 16 गेंदों पर 18 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की तरफ से श्रेयांका पाटिल ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। अरुंधती रेड्डी और श्री चरणी को एक–एक विकेट मिला। पहले टी20 में जीत के साथ सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 1–0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। मंधाना के पास इस सीरीज में चार मुकाबले और हैं। ऐसे में वह बाबर के आंकड़े को पीछे छोड़ नया रिकॉर्ड बनाना चाहेंगी। मैच के बाद जेमिमा ने कहा कि भारतीय टीम ने 15–20 रन कम बनाए थे। उन्होंने कहा कि पहली पारी के दौरान परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं थीं। गेंद रुक कर बल्ले पर आ रही थी। वहीं, मंधाना ने हार के बाद कहा कि एक बैटिंग यूनिट के तौर पर हम खरे नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि एक अच्छी चीज यह रही कि हमने दक्षिण अफ्रीका को अच्छी टक्कर दी और मैच आखिरी ओवर तक ले गए।

आईपीएल के दम पर भारतीय टी20 टीम में वापसी कर पाएंगे श्रेयस अय्यर? इरफान पठान ने दिया जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। टीम ने सीजन में अब तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। गुरुवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। पंजाब के शानदार प्रदर्शन में श्रेयस अय्यर का बतौर कप्तान और बल्लेबाज अहम योगदान रहा है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि जिस तरह का प्रदर्शन श्रेयस कर रहे हैं, उसे देखते हुए वह भारतीय टी20 टीम में मजबूत वापसी से ज्यादा दूर नहीं हैं। पठान ने पंजाब किंग्स के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी। जियोस्टार से बात करते हुए इरफान पठान ने कहा, पंजाब किंग्स शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में दिखी। उनकी योजना साफ थी। अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से शानदार तरीके से लय बनाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए उनके कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और पूरे समय नियंत्रण में रहे। एक खिलाड़ी जो मेरे लिए सबसे अलग था, वह प्रभसिमरन सिंह थे। विकेटकीपर और ओपनर के तौर पर दोहरी भूमिका निभाते हुए, उन्होंने बहुत परिपक्वता दिखाई है। पिछले सीजन में, वह इस रोल में नहीं थे, लेकिन इस साल, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने जो संयम दिखाया, उससे पंजाब का प्रदर्शन और शानदार हो गया है। श्रेयस अय्यर के भारत की टी20 टीम में वापसी की संभावनाओं पर पठान ने कहा, बेशक एमआई के खिलाफ वो पारी नहीं आई होती, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि श्रेयस अय्यर दावेदारी में होते। मैंने यह बात बहुत पहले से कही है क्योंकि उनके पास बीच के ओवरों के लिए जरूरी

स्किल सेट है। वह स्पिन को बहुत अच्छी तरह खेलते हैं और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की तकनीक भी रखते हैं। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ काफी सुधार किया है, लेकिन उनकी मुख्य ताकत स्पिन पर हावी होकर डटे रहने और अच्छा प्रदर्शन करने की है। उनमें एक लीडर की सभी खूबियां भी हैं। जिस तरह से वह खेल रहे हैं, उससे लगता है कि वह पूरी तरह से नियंत्रण में हैं और मजबूत वापसी करने से ज्यादा दूर नहीं हैं।

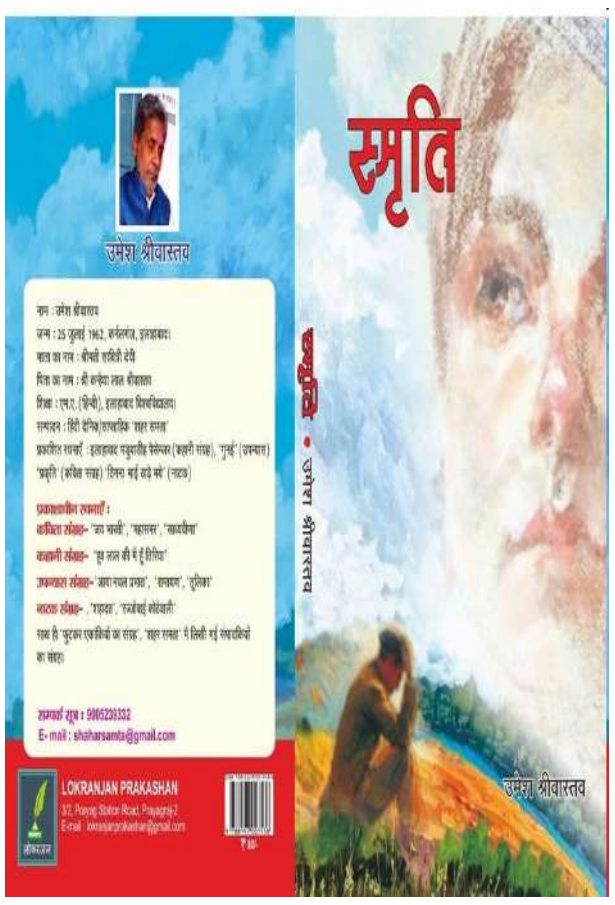

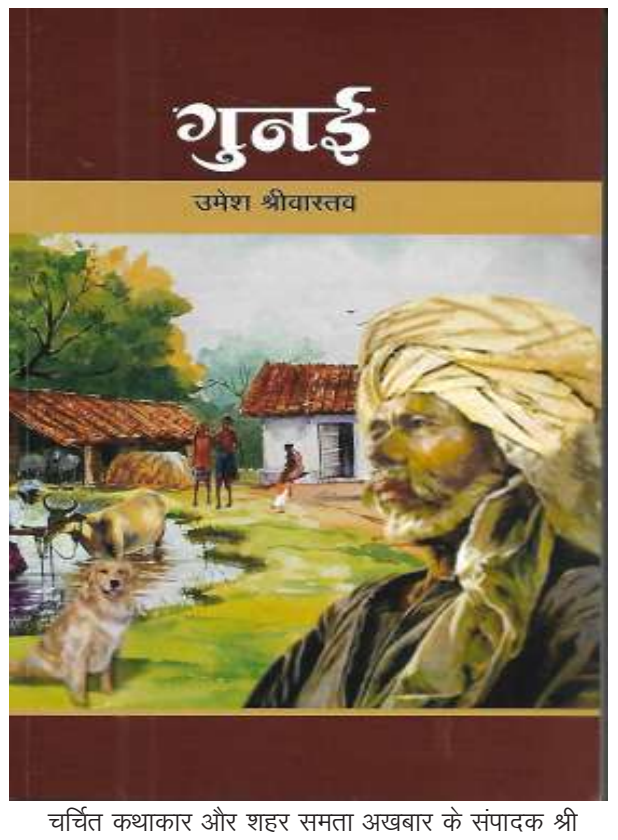

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

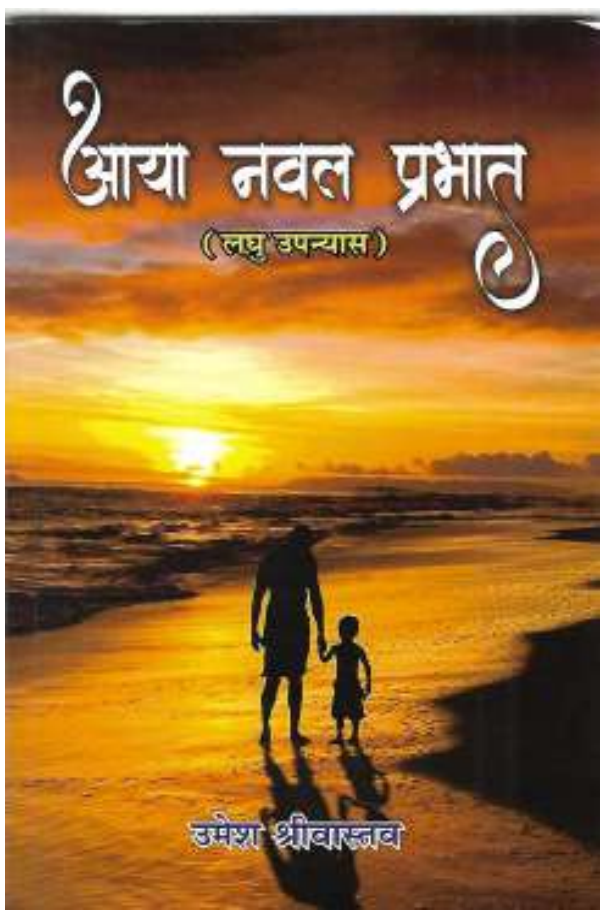

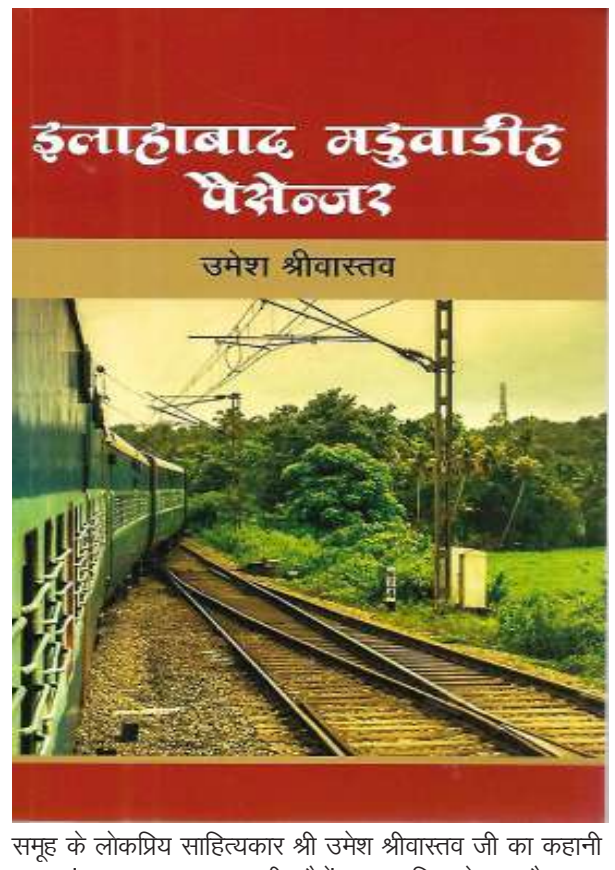

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

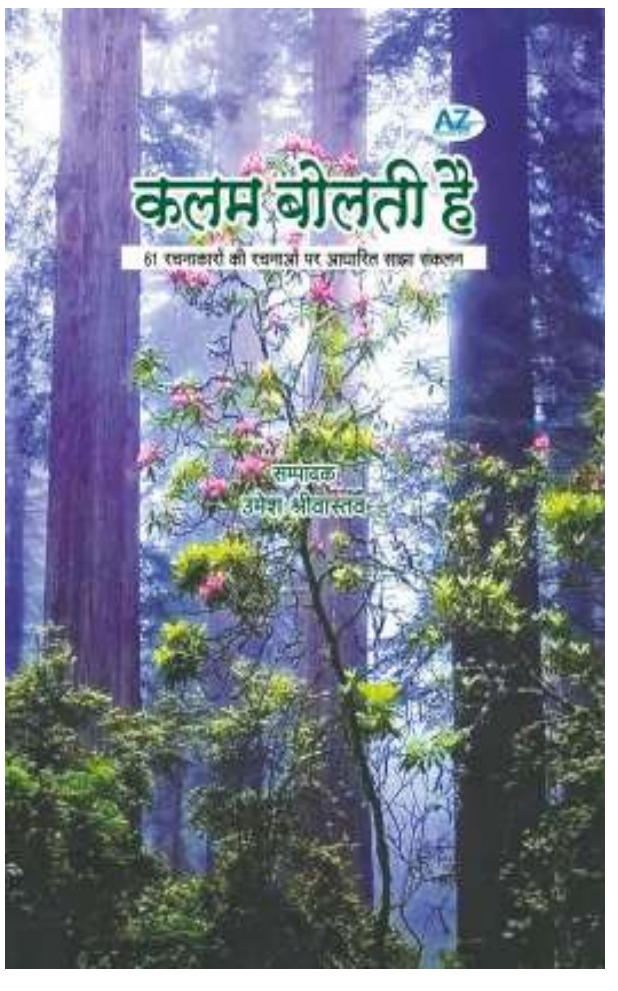

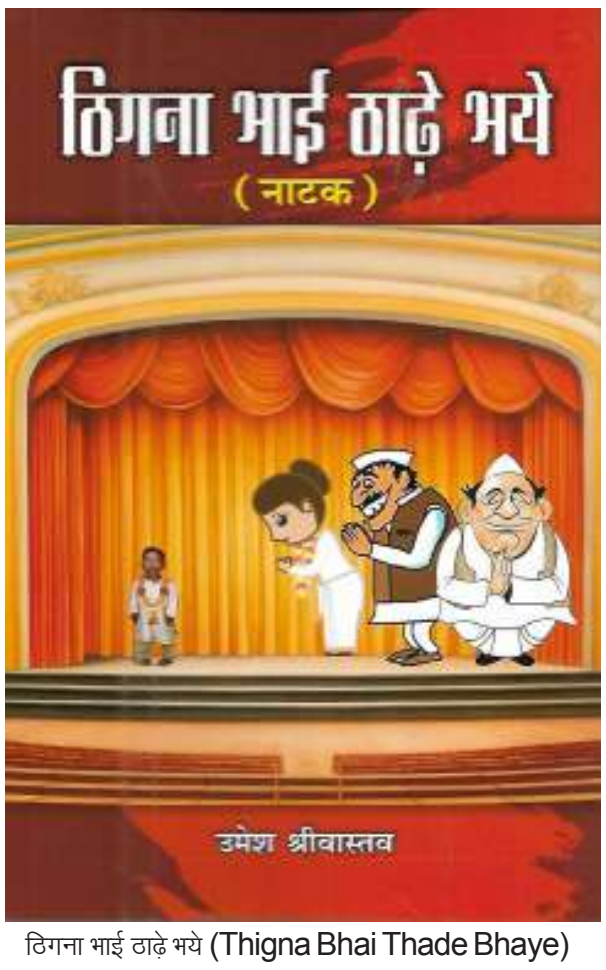

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

वायुसेना प्रमुख ने अमेरिका में उड़ाया F-15EX फाइटर जेट, रक्षा संबंधों पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 अप्रैल को बोइंग कंपनी के आधुनिक लड़ाकू विमान F-15EX ईगल II में उड़ान भरी। इस उड़ान के दौरान उनके साथ अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन मौजूद थे। यह विमान हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और हवाई प्रभुत्व बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। उड़ान का मकसद आधुनिक हवाई युद्ध में इस विमान की भूमिका को समझना था। अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इनमें अमेरिकी वायुसेना वारफेयर

सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपर्सन शामिल थे। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी मौजूद रहे। बातचीत का मुख्य केंद्र दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास के अवसरों को बढ़ाना और आधुनिकीकरण के प्रयासों को एक साथ लाना था। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मजबूत करने की जरूरत है। इसमें संयुक्त अभियानों में बेहतर समन्वय, नई तकनीकों को साझा करना और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करने पर ध्यान दिया गया। यह सहयोग भविष्य में दोनों देशों की सैन्य शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। तक जा सकता है। यह लगभग 13,381 किलोग्राम वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है। बोइंग के अनुसार, इसमें डिजिटल फ्लाई–बाय–वायर कंट्रोल, आधुनिक मिशन सिस्टम और उन्नत रडार (AESA) लगे हैं। यह विमान 12 AMRAAM को एक साथ ले जा सकता है और हाइपरसोनिक हथियारों का भी समर्थन करता है। इसकी लंबी उम्र और मारक क्षमता इसे आधुनिक युद्ध के लिए बेहद खास बनाती है। अपनी यात्रा के अगले चरण में 10 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल सिंह पेंटागन पहुंचे। वहां अमेरिकी वायुसेना के प्रमुख जनरल केन विल्सबैक ने उनकी मेजबानी की। पेंटागन पहुंचने पर भारतीय वायुसेना प्रमुख का पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने अमेरिकी वायुसेना सचिव ट्रॉय मिंक और जनरल विल्सबैक के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों में अमेरिकी नेताओं ने भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को प्राथमिकता दी और एक स्वतंत्र व समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत की भूमिका को सराहा।

जनरल विल्सबैक ने कहा कि इस तरह का सहयोग क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। बैठक में भारत को मिलने वाले MQ-9B स्काई गार्जियन विमानों पर भी चर्चा हुई। अमेरिका ने भरोसा दिलाया कि वह इन विमानों के इस्तेमाल में भारतीय सशस्त्र बलों की पूरी मदद करेगा।

साथ ही, अमेरिका ने भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण और रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अपनी तत्परता जाहिर की।

संक्षिप्त

जापान में कांपी धरती: महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, पीएम सनाए ताकाइची ने लोगों से अलर्ट रहने की अपील की

टोक्या, एजेंसी। जापान के उत्तरी नागानो प्रांत में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम

विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1रू20 बजे यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.0 मापी गई। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने इस प्राकृतिक आपदा पर तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा कि भूकंप का केंद्र उत्तरी नागानो में था। ओमाची शहर में सबसे ज्यादा असर देखा गया। प्रधानमंत्री ने स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक विशेष संपर्क कक्ष स्थापित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नुकसान का जल्द से जल्द पता लगाएं और जनता तक सटीक जानकारी पहुंचाएं। प्रधानमंत्री ने प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में भी इसी तरह की तीव्रता वाले झटके महसूस हो सकते हैं। श्द जापान टाइम्सश के अनुसार, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इस भूकंप से सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कई शहरों में भूकंप का असर अलग–अलग रहा। ओमाची शहर में तीव्रता पांच (ऊपरी स्तर) और नागानो शहर में तीव्रता पांच (निचली स्तर) दर्ज हुई। ओगावा गांव में तीव्रता चार और मात्सुमोतो शहर में तीव्रता तीन रही। पहले झटके के लगभग दो घंटे बाद, दोपहर 3रू30 बजे ओमाची में एक और भूकंप आया, जिसकी तीव्रता ती थी। सुरक्षा के लिहाज से परमाणु संयंत्रों की भी जांच की गई। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि पड़ोसी निगाटा प्रांत में स्थित काशीवाजाकी–कारीवा न्यूक्लियर पावर प्लांट पूरी तरह सुरक्षित है। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन ने इलाके में ऐसे ही भूकंप आने की चेतावनी दी है और लोगों से सावधान रहने को कहा है।

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद से होर्मुज में कैसे हैं हालात? सेंटकॉम बोला- 21 जहाज ईरान वापस लौटे

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों को कम करने के प्रयासों के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ब्म्छज्ब्ड्ड) ने शनिवार को बताया कि जब से अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की समुद्री घेराबंदी शुरू की है, तब से 21 जहाजों को वापस ईरान लौटने के लिए मजबूर किया गया है। अमेरिका ने यह कदम क्षेत्र में जारी संघर्षों का पूर्ण समाधान निकालने और कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए उठाया है। अमेरिकी नौसेना का मिसाइल विध्वंसक जहाज श्यूएसएस माइकल मर्फीश इस समय अरब सागर में गश्त कर रहा है। यह जहाज उन सभी जहाजों पर नजर रख रहा है जो ईरानी बंदरगाहों में आने या वहां से बाहर जाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के मुताबिक, अब तक 21 जहाजों ने अमेरिकी सेना के निर्देशों को पालन करते हुए वापस ईरान लौटने का फैसला किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ा हुआ है। अमेरिका ने ईरान से जुड़ी समुद्री गतिविधियों को रोकने के लिए अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट साझा की। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के बंदरगाहों की यह घेराबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कि ईरान के साथ कोई ठोस और 100 प्रतिशत समझौता नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया बहुत तेजी से पूरी होनी चाहिए। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली समुद्री आवाजाही पर पूरी तरह से तेहरान का नियंत्रण रहेगा। गालिबाफ के अनुसार, जहाजों को केवल ईरान के तय रास्तों से ही गुजरने की अनुमति मिलेगी और इसके लिए ईरान की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। ईरान ने हाल ही में इस रणनीतिक समुद्री रास्ते को फिर से खोलने का एलान किया था। ईरान का यह फैसला इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे 10 दिनों के संघर्ष–विराम से जुड़ा है। हालांकि, व्यापारिक जहाजों को वहां से गुजरने की अनुमति मिल गई है, लेकिन वाशिंगटन ने साफ कर दिया है कि वह ईरान पर आर्थिक और सैन्य दबाव कम नहीं करेगा।

14 दिन के युद्धविराम पर ट्रंप का बड़ा बयान, बोले- शायद आगे नहीं बढ़ाऊंगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष विराम को लेकर बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि मौजूदा सीजफायर को आगे बढ़ाया भी जा सकता है और नहीं भी, यह पूरी तरह हालात पर निर्भर करेगा। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अगर तय समय तक कोई समझौता नहीं होता है, तो सीजफायर को आगे बढ़ाने की संभावना कम हो सकती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

भारत की ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता के लिए न्यूक्लियर पावर जरूरी', पूर्व US ऊर्जा सचिव ने ऐसा क्यों कहा ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व ऊर्जा सचिव और नोबेल पुरस्कार विजेता स्टीवन चू ने कहा है कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बन सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भूराजनीतिक तनाव वैश्विक ईंधन बाजार की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। चू ने भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने में अमेरिकी ऊर्जा नीति का नेतृत्व किया था। स्टीवन चू ने भारत के साथ क्लीन एनर्जी सहयोग बढ़ाने के समय अमेरिकी एनर्जी पॉलिसी का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत रहे हैं और सतत व टिकाऊ लक्ष्यों पर केंद्रित रहे हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया, श्जब मैं ऊर्जा सचिव था, तो भारत में अपने समकक्षों के साथ मेरे बहुत करीबी और अच्छे संबंध थे। वे उन दिनों सस्टेनेबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, इन सभी चीजों को लेकर बहुत गंभीर थे।श श्मुझे उम्मीद है कि भारत इन आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। शायद अमेरिका में थोड़ी रुकावट आई है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हम इस प्रतिबद्धता पर वापस लौटेंगे।श चू ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बड़ी अर्थव्यवस्था को मिलकर काम करना होगा और कहा, श्भविष्य में दुनिया को आगे ले जाने में भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बड़े देशों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। ये देश मिलकर

ही दुनिया की दिशा तय करेंगे। भविष्य में सहयोग के क्षेत्र पर, उन्होंने न्यूक्लियर एनर्जी और नई रिएक्टर टेक्नोलॉजी की ओर इशारा किया और कहा, श्मुझे लगता है कि भारत ब्रीडर रिएक्टर डेवलप कर रहा है, जो बहुत बढ़िया है। ये फास्ट टर्म रिएक्टर हैं जो कन्वेंशनल सिजन रिएक्टर के लिए बहुत सारा फ्यूल जलाने में मदद करते हैं।श उन्होंने हाल के झगड़ों को घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को लेकर नई जरूरत से जोड़ा और कहा, श्मुझे लगता है कि हाल के युद्धों (यूक्रेन और ईरान) ने एनर्जी सिक्योरिटी, सीमाओं के अंदर एनर्जी एक्सेस को इसका बहुत जरूरी हिस्सा बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि न्यूक्लियर पावर स्टेबल सप्लाई सुनिश्चित करने में साफ फायदा देती है। उन्होंने कहा, श्मैं न्यूक्लियर को वहां देखता हूं जहां अपने देश के भीतर ही ईंधन डालकर सीमित स्थान में ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है। इससे लंबे समय तक ऊर्जा मिलती रहती है। इसके विपरीत, प्राकृतिक गैस की उपलब्धता आमतौर पर हफ्तों या अधिकतम कुछ महीनों तक ही मापी जाती है।श यह पूछे जाने पर कि क्या न्यूक्लियर एनर्जी भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद कर सकती है, चू ने कहा, श्हां, जब तक वे यह पता लगा लें कि बजट में, समय पर रिएक्टर कैसे बनाए जाएं। उन्होंने एफिशिएंसी के उदाहरण के तौर पर रिएक्टर बनाने के लिए चीन के तरीके का जिक्र किया और कहा, श्चीन ने यह पता लगा लिया है। उनके पास दो दर्जन रिएक्टर हैं जो बजट में, समय पर हैं और वे सीखने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। वे रिएक्टर एक से दो, तीन से चार बनाने के लिए एक ही क्रू का इस्तेमाल करते हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्दुनिया को इस उदाहरण को फॉलो करना चाहिए। मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं फैसले का बहुत बड़ा फैन हूं।श चू ने न्यूक्लियर वेस्ट के डिस्पोजल को लेकर चिंताओं पर भी बात की और कहा कि इसे तकनीकी नवाचार से मैनेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा, श्डिस्पोजल एक हल होने वाली समस्या है। उन्होंने नई तकनीक के बारे में बताया जिन पर काम किया जा रहा है और कहा, श्मैं एक समूह का सलाहकार हूं जो उन तकनीकों को देखने की कोशिश कर रहा है, जिनका इस्तेमाल ऑयल ड्रिलिंग में एक किलोमीटर नीचे बोरहोल ड्रिल करने के लिए किया जाता है और फिर साइड में न्यूक्लियर डिस्पोजल को बिना किसी मानव के कनस्तरों में जमा करने के लिए किया जाता है।श उन्होंने कहा कि ऐसे तरीकों से लागत कम हो सकती है और स्टोरेज के विकल्प बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, श्इसमें और भी कई जियोलॉजिकल साइट्स उपलब्ध कराने की क्षमता है। लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि इसकी लागत कम होगी। उन्होंने आगे कहा, श्मानवयुक्त और मानवरहित अंतरिक्ष उड़ानों के बीच अंतर बहुत बड़ा होता है। यह लगभग दिन और रात जैसा फर्क है। यदि बिना सुरंगों और वेंटिलेशन शाफ्ट बनाए संसाधनों को जमा करना संभव हो सके, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।श चू ने कहा कि ये तरक्की न्यूक्लियर पावर को फिर से शुरू करने की बात को मजबूत करती है। उन्होंने कहा, श्मैं न्यूक्लियर को एक नया रूप देते हुए देखने में बहुत दिलचस्पी रखता हूं। भारत सबसे तेजी से बढ़ते बड़े एनर्जी कंज्यूमर्स में से एक है, जहां औद्योगिक विकास और शहरीकरण की वजह से डिमांड तेजी से बढ़ रही है। देश इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करने और लंबे समय के लिए ऊर्जा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए रिन्यूएबल और न्यूक्लियर पावर समेत अपने एनर्जी मिक्स को बढ़ा रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ा तनाव: 'एक घंटे में सात दावे, सभी झूठे', ट्रंप की नाकाबंदी पर गालिबाफ का सख्त पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। एक ओर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोशिशें जारी हैं, तो दूसरी ओर बयानबाजी ने हालात को और अधिक गरमा दिया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति

ने एक घंटे में सात दावे किए, जिनमें से सातों झूठे थे। हालांकि गालिबाफ ने यह साफ नहीं किया कि वे किन बयानों की बात कर रहे थे। ट्रंप को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका ने नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखी, तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने पर मजबूर हो सकता है। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर लिखा कि होर्मुज से जहाजों की आवाजाही केवल तय रूट और ईरानी अनुमति के आधार पर ही होगी। उन्होंने साफ कहा कि नाकाबंदी जारी रही तो जलडमरूमध्य खुला नहीं रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। उनके अनुसार ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और इसे कभी बंद न करने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक दोनों देशों के बीच कोई अंतिम समझौता नहीं हो जाता।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के साथ रविवार से बातचीत आगे बढ़ेगी और इसका उद्देश्य स्थायी सीजफायर की दिशा में ठोस कदम उठाना होगा। उनके मुताबिक ईरान समुद्री रास्तों से हटाई गई माइन हटाने में अमेरिका की मदद कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका को सौंप देगा और अपने परमाणु कार्यक्रम को अनिश्चित समय के लिए रोकने पर सहमत हो गया है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका और ईरान मिलकर ईरान के न्यूक्लियर साइट्स से यूरेनियम हटाने पर काम करेंगे।

ट्रंप ने बताई पूरी योजना, क्या है 'न्यूक्लियर डस्ट' जिसे वापस लाएगा अमेरिका

एजेसी/ पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा है कि ईरान पर अमेरिकी सैन्य दबाव तब तक जारी रहेगा, जब तक दोनों देशों के बीच 100 फीसदी व्यापक और अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते। एरिजोना में टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका किसी भी आंशिक या अंतरिम डील से संतुष्ट नहीं होगा।

उनके मुताबिक, फुल एंड फाइनल समझौता ही एकमात्र शर्त है, जिसके बाद ही सैन्य दबाव, जिसमें नेवल ब्लॉकेड और क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी शामिल है, उन्हें हटाया जाएगा।

अब परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा ईरान': तेहरान पर ट्रंप का बड़ा दावा, बताया होर्मुज पर कब खत्म होगी नाकाबंदी ?

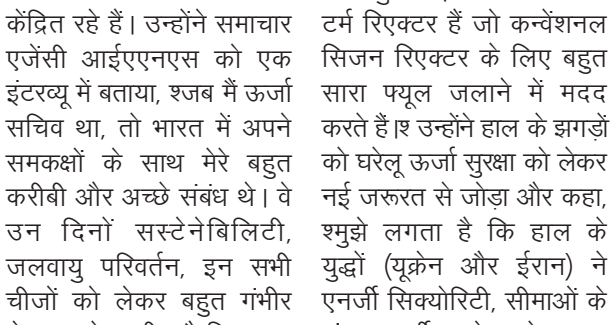

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत और पश्चिम एशिया के हालात पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत लगातार चल रही है और यह प्रक्रिया आने वाले सप्ताहांत में भी जारी रहेगी। ट्रंप ने कहा कि इस वार्ता में कई अच्छी चीजें हो रही हैं, और इसमें लेबनान से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। उनके अनुसार, अगर अमेरिका और ईरान के बीच कोई मतभेद हैं भी, तो उन्हें जल्द सुलझा लिया जाएगा क्योंकि कोई बड़ा अंतर नहीं दिख रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि जैसे ही अमेरिका और ईरान के बीच समझौता पूरी तरह साइन होगा, तब सभी तरह की रोक और तनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है और व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित है। अपने बयान में ट्रंप ने आगे यह भी बताया कि होर्मुज पर लगाया गया अमेरिकी नाकाबंदी कब खत्म होगी? आइए जानते हैं। ट्रंप ने कहा कि यह दुनिया के लिए बेहतरीन और ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि ईरान ने घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब पूरी तरह खुला है और व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित रूप से आवाजाही शुरू हो गई है। ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि अमेरिका ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली नौसेना और सैन्य ताकत का उपयोग करते हुए इस क्षेत्र में नौसैनिक दबाव बनाया था। उन्होंने दावा किया कि यह पूरी सैन्य व्यवस्था उनके पहले कार्यकाल के दौरान तैयार की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ईरान के मामले में अपनी पूरी ताकत और प्रभाव बनाए रखेगा और जब दोनों देशों के बीच समझौता पूरी तरह से तय और हस्ताक्षरित हो जाएगा तब होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी को खत्म कर दिया जाएगा। ट्रंप के अनुसार, जब तक यह प्रक्रिया 100 प्रतिशत पूरी नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका अपनी स्थिति मजबूत रखेगा। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान के परमाणु हथियार को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति को नियंत्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के ठ–2 बॉम्बर विमानों की कार्रवाई से न्यूक्लियर डस्ट जैसी स्थिति बनी और ईरान अब किसी भी तरह का परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने अमेरिका की मदद से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने या हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने नाटो को लेकर भी अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति लगभग खत्म हो रही है, तब उन्हें नाटो से मदद का प्रस्ताव मिला। लेकिन उन्होंने कहा कि जब जरूरत थी, तब मदद नहीं मिली, और अब उन्हें उनकी मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नाटो को अमेरिका की ज्यादा जरूरत है, न कि अमेरिका को उनकी। इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि हाल ही में इस्राइल और लेबनान के बीच 78 साल में पहली बार एक अस्थायी युद्धविराम हुआ है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।